खास बात

कंजूस का गढ़ा हुआ धन धरती से तभी बाहर निकलता है जब वह स्वयं धरती में गड़ जाता है।

- अज्ञात

।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 22 अंक - 102

नर्मदापुरम

बुधवार, 28 जनवरी 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खेलो एमपी यूथ गेम्स-2026' का भव्य शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 27 जनवरी 2026 को भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में 'खेलो एमपी यूथ गेम्स-2026' का भव्य शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की उपस्थिति में, उन्होंने मार्च पास्ट के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस आयोजन में 28 खेलों के 1.5 लाख से अधिक खिलाड़ियों की सहभागिता के साथ, प्रदेश को खेल हब के रूप में सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

गणतांत्रिक शासन व्यवस्था सेवा, समानता और संवेदनशीलता का संकल्प

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सामाजिक न्याय, किसान समृद्धि, जनजातीय उत्थान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाएँ, आधारभूत संरचना विस्तार, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, उद्योग प्रोत्साहन तथा सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में लेकर कार्य कर रही है। इन क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियाँ प्रदेश को आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने की दिशा में मजबूत आधार तैयार कर रही हैं।

गणतंत्र दिवस पर ईयू नेताओं की मौजूदगी संबंधों की बढ़ती ताकत

नई दिल्ली। देश अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस खास मौके पर कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में इस साल यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि रहे। बतौर मुख्य अतिथि दोनों नेताओं का शामिल होना भारत और यूरोपीय संघ के संबंधों के रूप में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संदेश माना जा रहा है। ऐसे में देश के सबसे बड़े समारोह के गवाह बने यूरोपीय संघ (ईयू) के दो शीर्ष नेताओं के साथ पीएम मोदी ने तस्वीरें साझा की। तस्वीरें साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में यूरोपीय संघ के नेताओं की मौजूदगी भारत-ईयू साझेदारी की बढ़ती ताकत और साझा मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाती है।

संक्षिप्त समाचार

'महाकाल के दरबार में कोई वीआईपी नहीं, सब है बराबर'

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन के प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के गर्भगृह में वीआईपी प्रवेश को लेकर दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को साफ कहा कि महाकाल के सामने कोई वीआईपी नहीं होता और गर्भगृह में कौन जाएगा, यह फैसला मंदिर प्रशासन को ही करना है, अदालत इसमें दखल नहीं देगी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वे अपनी मांग मंदिर प्रशासन के सामने रखें। कोर्ट ने कहा, 'महाकाल के सामने सब बराबर हैं, कोई विशेष दर्जा वाला नहीं होता। गर्भगृह में प्रवेश का नियम तय करने का अधिकार मंदिर कमेटी और जिला प्रशासन के पास है, अदालत इसमें क्यों हस्तक्षेप करे?' याचिकाकर्ता का आरोप था कि गर्भगृह में आम श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश पिछले ढाई साल से बंद है, लेकिन इस दौरान वीआईपी और प्रभावशाली लोगों को नियम तोड़कर अंदर जाने की अनुमति दी जाती है। उनका कहना था कि यह नियम संविधान के समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) का उल्लंघन करता है।

यूजीसी नियमों को लेकर देशभर में बवाल

नई दिल्ली। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर देशभर में राजनीतिक और सामाजिक तनाव बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार इन नियमों को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे कथित भ्रम का जवाब तथ्यों के साथ देने की तैयारी कर रही है। यूजीसी द्वारा लागू किए गए नए नियमों का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकना और कैंपस में समानता सुनिश्चित करना बताया जा रहा है। ये नियम 'हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस में इक्विटी रेगुलेशन' के तहत लाए गए हैं। यूजीसी के नए नियम 13 जनवरी 2026 को लागू किए गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन नए नियमों से ऊंची जाति के लोग नाराज हैं। अब सरकार इन नियमों पर जल्द ही अपना रुख साफ कर सकती है।

गुजरात में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, दबोचा गया आरोपी

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने एक बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए 22 वर्षीय एक दर्जी को गिरफ्तार किया है। ये कथित तौर पर 'लोन वुल्फ' की तरह काम कर रहा था। यानी किसी टीम, संगठन या समूह के सहयोग के बिना पूरी तरह से अकेले अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना चाह रहा था। आरोप है कि वह पैगंबर मोहम्मद के कथित अपमान का बदला लेने के नाम पर उत्तर प्रदेश में कुछ लोगों की टारगेट किलिंग की योजना बना रहा था। एटीएस का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो बड़ी वारदात को अंजाम दिया जा सकता था।

उज्जैन महाकाल के दर्शन कर लौट रहे 4 श्रद्धालुओं की मौत

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पापड़दा थाना क्षेत्र में पिलर संख्या 193 के पास तेज रफ्तार कार पीछे से एक ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब 5:30 बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार ट्रक में फंसकर करीब 8 किलोमीटर तक घिसटती चली गई। दुर्घटना के बाद कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और शव गाड़ी में बुरी तरह फंस गए। पुलिस ने बताया कि मृतक उत्तर प्रदेश के नोएडा के निवासी थे और उज्जैन (मध्य प्रदेश) में महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। मृतकों की पहचान राहुल गुप्ता (35), पारस अग्रवाल (35), प्रिंस गुप्ता (23) और विक्रम सिंह (30) के रूप में हुई है। चारों की मौके पर ही मौत हो गई। कार की सबसे पीछे की सीट पर बैठे बृजमोहन गुप्ता को मामूली चोटें आई हैं।

मध्यप्रदेश कैबिनेट ने लिए कई बड़े फैसले

पचमढ़ी नजूल क्षेत्र अभयारण्य से बाहर, सिंचाई-रोजगार-वन विकास पर हजारों करोड़ की मंजूरी

नर्मदापुरम जिले की दो सिंचाई परियोजनाओं के लिए 215 करोड़ 47 लाख की स्वीकृति

भोपाल ■ प्रतिनिधि

भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में राज्य के विकास, पर्यावरण संरक्षण, सिंचाई और रोजगार से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने पंचमढ़ी नगर के नजूल क्षेत्र को अभयारण्य सीमा से बाहर करने से लेकर टाइगर रिज़र्व के बफर क्षेत्रों के विकास और युवाओं को विदेश में रोजगार दिलाने तक के प्रस्तावों पर मुहर लगाई।

कैबिनेट ने पंचमढ़ी नगर के साडा के नियंत्रण वाली नजूल भूमि को संशोधित करते हुए 395.939 हेक्टेयर क्षेत्र को पंचमढ़ी अभयारण्य से बाहर कर राजस्व नजूल घोषित करने की स्वीकृति दी। इस फैसले से पंचमढ़ी के शहरी क्षेत्र में विकास कार्यों का रास्ता साफ होगा। इससे पहले तकनीकी कारणों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के चलते यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही थी।

मंत्रि-परिषद बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय

- पंचमढ़ी नगर की 395.939 हेक्टेयर नजूल भूमि को अभयारण्य क्षेत्र से बाहर कर राजस्व नजूल घोषित करने की स्वीकृति।
- प्रदेश के 9 टाइगर रिज़र्व के बफर क्षेत्रों के विकास के लिए 390 करोड़ रुपये की मंजूरी।
- नर्मदापुरम जिले की दो सिंचाई परियोजनाओं के लिए 215 करोड़ 47 लाख रुपये की स्वीकृति।
- तवा परियोजना से 63 गांवों को सिंचाई सुविधा का लाभ।
- जनजातीय कार्य, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और राजस्व विभाग की 17 योजनाओं को जारी रखने के लिए 17,864 करोड़ 26 लाख की मंजूरी।
- अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए 'विदेश में रोजगार नियोजन योजना 2025' को स्वीकृति, तीन साल में 1,800 युवाओं को विदेश भेजने का लक्ष्य।
- सरकार का कहना है कि इन फैसलों से एक ओर पंचमढ़ी और वन क्षेत्रों में संतुलित विकास होगा, वहीं दूसरी ओर सिंचाई, रोजगार और सामाजिक योजनाओं से प्रदेश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

390 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति- बैठक में वन विभाग के प्रस्ताव पर प्रदेश के 9 टाइगर रिजर्व के अंतर्गत बफर क्षेत्रों के विकास के लिए अगले पांच वर्षों (2026-27 से 2030-31) के लिए 390 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इस योजना के तहत संवेदनशील इलाकों में चेनलिंक फेसिंग, वन्यप्राणी सुरक्षा, चारागाह और जल स्रोतों का विकास, अग्नि सुरक्षा, वन्यप्राणियों का उपचार, स्वास्थ्य परीक्षण और स्थानीय लोगों के कौशल उन्नयन जैसे कार्य किए जाएंगे। नर्मदापुरम जिले में सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिए भी कैबिनेट ने दो बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। तवा परियोजना की दाईं तट नहर से जुड़ी इन योजनाओं पर कुल 215 करोड़ 47 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे 63 गांवों को सीधा लाभ मिलेगा।

योजनाओं को निरंतर जारी रखने के लिए भी बड़ा बजट

इसके अलावा सामाजिक और कल्याणकारी योजनाओं को निरंतर जारी रखने के लिए भी बड़ा बजट स्वीकृत किया गया है। जनजातीय कार्य विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और राजस्व विभाग की 17 योजनाओं को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने के लिए कुल 17,864 करोड़ 26 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

पिछड़ा वर्ग की पुरानी योजना में बदलाव - युवाओं के रोजगार को लेकर कैबिनेट ने पिछड़ी वर्ग की पुरानी योजना में बदलाव करते हुए नई योजना को मंजूरी दी। अब 'बेरोजगार युवक-युवतियों को विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने की योजना 2022' के स्थान पर 'अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार नियोजन योजना 2025' लागू की जाएगी। इसके तहत तीन वर्षों में 45 करोड़ रुपये खर्च कर हर साल 600 युवाओं को विदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता

टैरिफ को हथियार बनाने के दौर में स्थिरता का नया ब्लूप्रिंट

पीएम नरेंद्र मोदी बोले-दुनिया में उथल-पुथल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता संपन्न हो गया है। इस समझौते को पीएम मोदी ने साझा समृद्धि का एक नया खाका और दुनिया में स्थिरता लाने वाला कदम बताया है। इस बीच, पीएम मोदी और यूरोपीय नेताओं ने टैरिफ और तकनीक को हथियार बनाने के लिए अपरोक्ष रूप से अमेरिका पर निशाना भी साधा। ईयू के साथ हुए इस समझौते को भारत को 27 यूरोपीय देशों तक अपना व्यापार फैलाने में मदद मिलेगी। मंगलवार को नई दिल्ली में हुए इस समझौते के दौरान वैश्विक व्यापार में जारी तनाव और दबाव की चर्चा भी प्रमुखता से हुई।

'उथल-पुथल' के बीच स्थिरता की तलाश- समझौते के बाद यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने वैश्विक हालात पर चिंता जताई। पीएम मोदी ने कहा, 'यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि का नया ब्लूप्रिंट है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे समय में जब वैश्विक व्यवस्था में उथल-पुथल मची हुई है।

व्यापार को 'हथियार' बनाने पर चिंता- प्रेस वार्ता के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने वैश्विक व्यापार में बढ़ रहे तनाव की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'भारत और यूरोप की साझेदारी उस समय रणनीतिक निर्भरता को कम करेगी, जब वैश्विक व्यापार को तेजी से 'हथियार' बनाया जा रहा है। लेयन ने कहा कि हम एक असुरक्षित दुनिया में अपने लोगों को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं और यूरोप भारत के उदय से बेहद खुश है।

इतिहास का सबसे बड़ा एफटीए

पीएम मोदी ने बताया कि भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता किया है। वहीं, एंटोनियो कोस्टा ने इसे दो अरब लोगों के बाजार के लिए अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी समझौता करार दिया।

ईयू के 27 देशों से भरोसेमंद साझेदारी-इस समझौते के जरिए भारत और ईयू ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि वे एक-दूसरे के भरोसेमंद साझेदार हैं। मोदी ने यह भी कहा कि इस एफटीए से समुद्री क्षेत्र और साइबर सुरक्षा में आपसी सहयोग बढ़ेगा। ईयू के 27 देशें में ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन सभी यूरोपीय संघ के सदस्य हैं

पहाड़ों की बर्फबारी का असर

ग्वालियर-चंबल में आठ घंटे से बारिश ठिठुरन बढ़ी, तापमान में आई गिरावट

ग्वालियर ■ एजेंसी

पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब ग्वालियर-चंबल अंचल में साफ दिखाई देने लगा है। मंगलवार को सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है। दिनभर धूप नहीं निकली और दोपहर बाद बादल छाने के साथ हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई, जो बाद में रिमझिम बारिश में बदल गई। बीते करीब आठ घंटों से जिले में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है।

बारिश के चलते ठंड में इजाफा हो गया है। तीन दिन पहले जहां अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री के आसपास दर्ज किया जा रहा था, वहीं अब अधिकतम तापमान गिरकर 21 से 22 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश के चलते ठंड और बढ़ने की संभावना है। तापमान में गिरावट के कारण लोगों को दिन में भी ठंड का एहसास होने लगा है।

5-डे वीक की मांग पर बैंककर्मियों की हड़ताल

भोपाल। भोपाल में मंगलवार को बैंकिंग सेवाएं बुरी तरह प्रभावित रहीं। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह (5-डे वीक) लागू करने की मांग को लेकर शहर के बैंककर्मी हड़ताल पर रहे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर हुए इस आंदोलन के चलते राजधानी की अधिकांश बैंक शाखाओं में ताले लटके रहे, जिससे ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बताने की प्रदेश भर के करीब 40 हजार बैंककर्मी हड़ताल पर हैं। इससे बैंकों की 7 हजार से ज्यादा ब्रांच में ताले लटक गए हैं। ग्राहकों की परेशानी इसलिए ज्यादा बढ़ गई क्योंकि पिछले तीन दिन से बैंक की पहले से छुट्टी चल रही।

हलवा सेरेमनी के साथ बजट की उल्टी गिनती शुरू, नॉर्थ ब्लॉक में लॉक हुए अधिकारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय बजट 2026-27 पेश होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। इस अहम दिन से पहले आज (27 जनवरी, 2026) वित्त मंत्रालय में पारंपरिक 'हलवा सेरेमनी' का आयोजन किया गया। इस रस्म के साथ ही बजट बनाने की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नॉर्थ ब्लॉक स्थित बजट प्रेस में कड़ाही में हलवा बनाकर इस परंपरा को निभाया। इस मौके पर उनके साथ केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

क्या है 'हलवा सेरेमनी' और 'लॉक-इन'?

बजट प्रक्रिया में इस रस्म का विशेष महत्व है। हलवा सेरेमनी के साथ ही बजट बनाने में शामिल अधिकारियों का 'लॉक-इन' पीरियड शुरू हो जाता है। इसका मतलब है कि बजट संसद में पेश होने तक ये अधिकारी बाहरी दुनिया से पूरी तरह कट जाएंगे ताकि बजट दस्तावेजों की गोपनीयता बरकरार रहे। वित्त मंत्री ने सेरेमनी के दौरान बजट प्रेस का दौरा किया, तैयारियों का जायजा लिया, बजट टीम को शुभकामनाएं दीं।

मोबाइल एप पर मिलेगा बजट

सरकार ने इस बार भी बजट को डिजिटल और पेपरलेस रखने पर जोर दिया है।

मध्य प्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण मामले पर हाईकोर्ट में बहस पूरी

सरकार से एक हफ्ते में जवाब मांगा, कैसे किया गाइडलाइन का पालन

जबलपुर ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश में कर्मचारियों के प्रमोशन में आरक्षण का मामला एक बार फिर अहम मोड़ पर आ गया है। जबलपुर हाईकोर्ट में इस मामले पर अजाक्स और सपाक्स के बीच जिरह पूरी हो गई है। इसके बाद अब अदालत ने राज्य सरकार से नई प्रमोशन पॉलिसी पर जवाब तलब किया है।

हाईकोर्ट ने सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए एक हफ्ते का समय दिया है। इस महत्वपूर्ण मामले की अगली सुनवाई 3 फरवरी को तय की गई है। माना जा रहा है कि सरकार का जवाब आने के बाद हाईकोर्ट इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख सकता है, जिसका असर प्रदेश के लाखों कर्मचारियों पर पड़ेगा।

नई पॉलिसी पर हाईकोर्ट के कड़े सवाल- *सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की नई प्रमोशन पॉलिसी को लेकर कई अहम सवाल उठाए। अदालत ने सरकार से स्पष्ट रूप से बताने को कहा है कि इस नई नीति में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का पालन कहां और कैसे किया गया है।*

कोर्ट ने विशेष रूप से 'आरबी राय' मामले का जिक्र करते हुए पूछा कि उस फैसले में बताई गई कमियों को इस नई पॉलिसी में कैसे दूर किया गया है। अदालत ने यह भी जानना चाहा है कि पुरानी प्रमोशन पॉलिसी की किन खामियों को सुधारकर यह नई नीति तैयार की गई है। इन सवालों ने सरकार के लिए स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की फिर हुई किरकिरी, भारत ने खोली फिर पोल

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर पाकिस्तान को एक बार फिर कड़ी फटकार का सामना करना पड़ा। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर, जम्मू-कश्मीर, आतंकवाद और 27वें संशोधन जैसे मुद्दों पर बेनकाब किया। हरीश ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत और भारतीयों को नुकसान पहुंचाना ही पाकिस्तान का एकमात्र एजेंडा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पहले भी झूठे और भ्रामक दावे करता रहा है। भारतीय राजदूत ने बताया कि 9 मई 2025 तक पाकिस्तान लगातार भारत पर हमले की धमकियां दे रहा था, लेकिन 10 मई को पाकिस्तानी सेना ने खुद भारतीय सेना से संपर्क कर संघर्षविराम (सीजफायर) की अपील की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के कई अहम एयरबेस को गंभीर नुकसान पहुंचाया। टूटे रनवे और जले हुए हैंगरों की तस्वीरें सार्वजनिक रूप से सामने आ चुकी हैं, जिन्हें झुठलाया नहीं जा सकता।

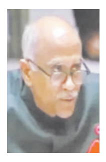

एलाइट स्कूल का 44वां वार्षिकोत्सव

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के मृतकों को नन्हे कलाकारों की भावपूर्ण श्रद्धांजलि, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

भोपाल ■ निसं

राजधानी के एलाइट हायर सेकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय (23 और 24 जनवरी 2026) '44वां वार्षिक उत्सव-2026' धूमधाम से संपन्न हुआ। कभी महज 35 विद्यार्थियों के साथ एक छोटे से पौधे के रूप में शुरू हुआ यह विद्यालय आज 2200 विद्यार्थियों के विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों और देशभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला।

सांस्कृतिक रंग और भावुक पल: कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद श्री आलोक शर्मा और दक्षिण-पश्चिम विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद छात्रों ने गणेश वंदना, स्वागत गान और कठपुतली नृत्य से समां बांध दिया।

समारोह का सबसे भावुक पल वह था जब छात्रों ने हाल ही में हुए अहमदाबाद प्लेन क्रैश के मृतकों को नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। इस मार्मिक प्रदर्शन ने वहां मौजूद सभी अभिभावकों और

अतिथियों की आंखें नम कर दीं। इसके अलावा, 'ट्रिब्यूट टू इंडियन आर्मी' और फैंसी ड्रेस शो में रानी लक्ष्मीबाई, रतन टाटा और एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महानायकों के प्रदर्शन ने खूब तालियां बटोरीं।

प्रतिभाओं का सम्मान: शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मंच से सम्मानित किया गया।

विशेष उपलब्धि: विद्यालय की मेधावी छात्रा कु. अश्विनी केवट को 24 जनवरी को कलेक्टर महोदय द्वारा 10,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

अभिभावकों का सम्मान: एक अनोखी पहल करते हुए शाला परिवार ने समय की पाबंदी रखने वाले अभिभावकों को 'पंक्चुअलिटी पुरस्कार' से नवाजा।

अतिथियों ने की अनुशासन की सराहना

मुख्य अतिथियों ने स्कूल के अनुशासन और लगातार मेरिट में स्थान बनाने की परंपरा की सराहना की। संस्था के चेयरमैन आई.एल. मेहता, सेक्रेटरी अभय मेहता और प्रिंसिपल डॉ. शिल्पा कोठारी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन उप प्राचार्य डॉ. संतोष विश्वकर्मा के आभार प्रदर्शन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

डाक विभाग, मध्यप्रदेश परिमंडल ने सम्पूर्ण प्रदेश में

49 एटीएम साइट सक्रिय करके अपने एटीएम ढांचे का किया आधुनिकीकरण

भोपाल ■ निसं

बैंकिंग सेवाओं को अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, डाक विभाग, मध्यप्रदेश परिमंडल ने प्रदेश भर में अपने एटीएम बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण किया है।

विभिन्न डाकघरों में स्थापित ये 49 एटीएम साइट नागरिकों को उनके घरों के पास ही आवश्यक बैंकिंग सेवाओं तक पहुँचने में मदद कर रहे हैं। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए लाभदायक है, जिससे डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के सरकार के दृष्टिकोण को बल मिलता है।

मध्यप्रदेश के 1018 प्रधान डाकघरों/उपडाकघरों में स्थित संख्या 22,53,211 (बाईस लाख त्रेपन हजार दो सौ ग्यारह) से अधिक बचत खातों के ग्राहक अपने प्रधान डाकघर/उपडाकघर के माध्यम से निःशुल्क एटीएम कार्ड प्राप्त कर इन एटीएम के माध्यम से आसानी से नकदी निकाल सकते हैं, खाते की शेष राशि की जांच कर सकते हैं और अन्य बुनियादी बैंकिंग लेनदेन कर सकते हैं। एवं ऐसे ग्राहक जिनका किसी डाकघर/उपडाकघर मे बचत खाता नही है, वे अपना बचत खाता खुलवा कर 4% ब्याज दर (अन्य सरकारी/ गैर सरकारी बैंकों की तुलना में सर्वाधिक) प्राप्त कर सकते हैं एवं निःशुल्क एटीएम कार्ड की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

सभी नागरिकों को प्रदेश भर में मौजूद डाक विभाग की एटीएम सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

माघ मेला पर यात्री आवागमन कम होने के चलते इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस के चुनार तक विस्तारित कुछ फेरे निरस्त

भोपाल। प्रयागराज माघ मेला-2026 के दौरान यात्री आवागमन में अपेक्षाकृत कमी को दृष्टिगत रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री सुविधा एवं परिचालन आवश्यकता के अनुसार इटारसी-प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस के चुनार जं तक विस्तारित कुछ फेरों को आंशिक रूप से निरस्त किया गया है। प्रयागराज छिवकी-चुनार के बीच आंशिक निरस्त 6 फेरे- 1.गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस प्रयागराज छिवकी-चुनार के बीच दिनांक 29.01.2026 तक आंशिक निरस्त रहेगी। 2. गाड़ी संख्या 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस चुनार-प्रयागराज छिवकी के बीच दिनांक 30.01.2026 तक आंशिक निरस्त रहेगी। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व अपनी गाड़ी की स्थिति की जानकारी रेलवे पूछताछ सेवा 139, एनटीईएस, अथवा आईआरसीटीसी वेबसाइट/ऐप के माध्यम से अवश्य प्राप्त कर लें।

महिला ने की राजा भोज एयरपोर्ट पर डेढ़ करोड़ रुपए की ज्वैलरी गायब होने की बात

भोपाल। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट पर पर एक महिला की डेढ़ करोड़ रुपए की ज्वैलरी गायब होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार शनिवार को अमेरिका से भोपाल पहुंची एक महिला यात्री ने हीरे की चेन, अंगूठी और अन्य कीमती जेवरात गायब होने की शिकायत की है। महिला का कहना है कि ज्वैलरी उनके चेक-इन बैग में रखी गई थी, जिसकी कुल कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। इस मामले की शिकायत भोपाल एयरपोर्ट अथॉरिटी के अलावा इंडिगो को मेल के द्वारा की गई है। वहीं एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है की शिकायत की गंभीरता को देखते हुए सीआईएसएफ की टीम से एयरपोर्ट के सभी संबंधित सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई गई। लेकिन जांच में किसी भी स्तर पर ज्वैलरी गायब होने की घटना सामने नहीं आई है। उनके अनुसार, बैगेज स्कैनिंग के दौरान भी बैग में ज्वैलरी का कोई पैकेट या संदिग्ध सामग्री दिखाई नहीं दी। एयरपोर्ट प्रशासन ने इस पूरे मामले की जानकारी संबंधित एयरलाइन इंडिगो को भी दे दी है। फिलहाल इंडिगो और शिकायतकर्ता शालिनी बाफना के बीच संपर्क बना हुआ है। शिकायतकर्ता महिला शालिनी को अवगत करा दिया गया है, कि फुटेज और स्कैनिंग रिपोर्ट में ज्वैलरी के गायब होने के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। बताया गया कि शालिनी बाफना अमेरिका से भोपाल पहुंची थीं, और यहां से मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में सवार होने वाली थीं।

कीमती बैटरी के लिये ई-रिक्शा ही चोरी कर लिया, रिक्शा बरामद

भोपाल। पुराने शहर की शॉहजहॉबाद थाना पुलिस ने एक ऐसे ई-रिक्शा चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो ई-रिक्शा वाहनो की कीमती बैटरी के लिए वाहन ही चोरी कर लेता था। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 1 लाख कीमत का ई रिक्शा बरामद किया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी गुफरान पिता इरफान खॉन (45) ने शिकायत करते हुए बताया की वह मदर इंडिया कालोनी, शाहजहांनाबाद में रहता है, और ई-रिक्शा चलाने के साथ ही किराये पर चलवाता भी है। बीती 23 जनवरी 26 की रात करीब 3 बजे को उसने अपना ई-रिक्शा घर के बाहर चार्ज पर लगा कर खडा किया था। अगली सुबह करीब 7 बजे गाड़ी लेने आये उसके ड्राईवर दीपक ने उसे जगाया तब उसने देखा तो उसका ई-रिक्शा चोरी हो चुका था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उसकी तलाश शुरु की। पुलिस ने घटना स्थल सहित आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें आरोपी का सुराग हाथ लगा।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर सहित मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने फहराया राष्ट्र ध्वज

सभी जिला मुख्यालयों पर हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

भोपाल ■ निसं

प्रदेश में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राजधानी सहित जिला मुख्यालयों पर समारोहपूर्वक राष्ट्रध्वज फहराया गया और भव्य परेड के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। साथ विभिन्न विभागों की उपलब्धियों पर झांकियां भी निकाली गई। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ध्वज फहराया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में राष्ट्र ध्वज फहराया। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने ग्वालियर जिले में और जिला मुख्यालयों पर मंत्रीगण एवं कलेक्टर ने ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने इंदौर, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सागर, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रीवा, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने खण्डवा, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने छिन्दवाड़ा, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने सिवनी, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रतापसिंह ने नरसिंहपुर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री मती सम्पतिया उईके ने

जबलपुर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बुरहानपुर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने मुरैना, महिला बाल विकास मंत्री सु निर्मला भूरिया ने नीमच, खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुना, खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने खरगौन, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने शाजापुर, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने आगर-मालवा, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शिवपुरी, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने अशोकनगर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने रतलाम, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने पन्ना में ध्वज फहराया।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती को समर्पित मध्यप्रदेश की झाँकी ने कर्तव्य पथ पर बढ़ाई शोभा

नई दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड 2026 में मध्यप्रदेश की झाँकी 'पुण्यश्लोका लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर' ने कर्तव्य पथ पर अपनी भव्य और भावपूर्ण प्रस्तुति से देशवासियों का ध्यान आकर्षित किया। यह झाँकी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती को समर्पित रही, जिसमें उनके गौरवशाली व्यक्तित्व, सुशासन, आत्मनिर्भरता, नारी सशक्तीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण की विरासत को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया गया। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने परेड की सलामी ली।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रीमंडल के सदस्य और अन्य विशिष्ट अतिथि परेड के साक्षी बने। झाँकी के अग्र भाग में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की चिर-परिचित प्रतिमा को दर्शाया गया, जिसमें वे हाथ में शिवलिंग धारण किए पद्मासन में विराजमान हैं।

रेल मदद पर यात्री शिकायतों का भोपाल मंडल द्वारा त्वरित एवं प्रभावी निपटारा

एक वर्ष में समाधान समय 43 मिनट से घटकर 16 मिनट

भोपाल ■ निसं

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने यात्री सुविधा, सुरक्षा एवं शिकायत निवारण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार करते हुए ''रेल मदद'' पोर्टल/एप के माध्यम से प्राप्त यात्री शिकायतों के निस्तारण में नई उपलब्धि हासिल की है। मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में सुदृढ़ एवं तकनीक-आधारित कार्यप्रणाली के परिणामस्वरूप भोपाल मंडल ने शिकायत समाधान समय में अभूतपूर्व कमी दर्ज की है।

शिकायत निस्तारण में उल्लेखनीय सुधार: 01 अप्रैल 2024 से 31 दिसंबर 2024, कुल प्राप्त शिकायतें : 33,577

औसत समाधान समय : 43 मिनट, 01 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025

कुल प्राप्त शिकायतें : 38,674, औसत समाधान समय : मात्र 16 मिनट

उल्लेखनीय है कि शिकायतों की संख्या में वृद्धि के बावजूद भोपाल मंडल द्वारा समाधान समय में लगभग 63 प्रतिशत की कमी लाई गई है, जो मंडल की कार्यकुशलता एवं यात्री-केन्द्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं तनावमुक्त यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से रेलवे की हेल्पलाइन 139 सहित सभी शिकायत माध्यमों को ''रेल मदद'' पोर्टल एवं मोबाइल एप में एकीकृत किया गया है। इससे यात्रियों की शिकायतें एक ही मंच पर दर्ज होकर संबंधित विभाग तक तुरंत पहुँचती हैं तथा समयबद्ध समाधान सुनिश्चित होता है। शिकायत के निस्तारण के पश्चात यात्रियों से फीडबैक भी प्राप्त किया जाता है, जिससे सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जा रहा है।

UFB के आह्वान पर देशव्यापी बैंक हड़ताल, भोपाल के एमपी नगर प्रेस कॉम्प्लेक्स में गूंजा एकजुटता का स्वर

भोपाल ■ निसं

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (स्नक्र) के आह्वान पर देशभर में अलग-अलग स्थानों पर बैंककर्मियों की हड़ताल व्यापक रूप से एवं प्रभावी ढंग से सम्पन्न हुई। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु सहित प्रमुख महानगरों से लेकर राज्य एवं जिला मुख्यालयों तक बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी न्यायोचित मांगों के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन किया।

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हड़ताल का प्रमुख केंद्र एमपी नगर स्थित प्रेस कॉम्प्लेक्स, पीएनबी के पास रहा, जहाँ बड़ी संख्या में बैंक के 5000 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया। '5-दिवसीय बैंकिंग लागू करो', 'बैंककर्मियों के स्वास्थ्य और सम्मान से समझौता नहीं' जैसे गगनभेदी नारों के साथ

आंदोलनकारियों ने सरकार एवं बैंक प्रबंधन को स्पष्ट संदेश दिया कि अब टालमटोल की नीति स्वीकार्य नहीं है।

हड़ताल का नेतृत्व स्नक्रके संयोजक श्री संजीव कुमार मिश्रा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष सुबीन सिन्हा एवं सेक्रेटरी दिनेश झा तथा भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ भोपाल सर्कल के अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर घटक दलों के वरिष्ठ कामरेड वीरू शर्मा, दीपकरत्न शर्मा, संजय कुदेशिया, नज़ीर कुरेशी, शोभित वादेल, प्रवीण मेघानी, वी.एस. नेगी एवं सुनील सिंह की सक्रिय भूमिका रही। इसके अतिरिक्त रजनीश पौराणिक, सुरेश बाबू मीणा, अरविंद पंडियार, क्षितिज तिवारी, निर्भय सिंह, अंबरिश नंदा, दीपक शुक्ला, सुमित कुमार, कपिला मेघानी, दीपमाला शीतल, शिवा मोहन मिश्रा एवं रोहित यादव सहित बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला साथियों ने बढ़-चढ़कर हड़ताल में भाग लिया, जिससे आंदोलन को और अधिक मजबूती मिली।

अवैध कॉलोनाइजेशन में 10 साल की जेल और एक करोड़ जुर्माना

भोपाल। नगर निगम सीमा और पंचायत क्षेत्र में अवैध कॉलोनियां नेताओं और अफसरों की मेहरबानी से कट गई। पूरे प्रदेश में इनकी संख्या 5 हजार से ज्यादा है। इन कॉलोनियों को वैध करने के प्रयास भी असफल रहे हैं। दूसरी तर शासन अवैध कॉलोनियों के मामले में अब और सख्ती करने जा रहा है, जिसमें कलेक्टर सहित सभी जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी, तो अवैध कॉलोनी काटने वाले कालोनाइजर 10 साल तक की सजा और एक करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान किया जा रहा है। वहीं निगम सीमा और पंचायत क्षेत्र के साथ पूरे प्रदेश में एक ही लाइसेंस से कॉलोनाइजेशन किया जा सकेगा। हर विधानसभा-लोकसभा या निगम चुनाव से पहले अवैध कॉलोनियों को वैध करने का हल्ला मचाया जाता है, मगर इसके प्रावधान इतने कड़े हैं कि गिनती की कॉलोनियां ही वैध हो पाती है। निगम के कॉलोनी सेल में अवैध कॉलोनियों की सूची है, मगर इनमें से सिर्फ वैध की जा सकने वाली कॉलोनियां ही नियमितिकरण के दायरे में आ सकी है। यही स्थिति पूरे प्रदेश की है और पंचायत क्षेत्र में प्रशासन का कॉलोनी सेल अनुमति देता है।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

भोपाल ■ निसं

देशभर में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में राजधानी भोपाल के कोलार रोड स्थित एलएनसीटी यूनिवर्सिटी परिसर में भी गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन किया गया। देशभक्ति के रंग में रंगे इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह ध्वजारोहण से हुई। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पूजाश्री चौकसे ने तिरंगा फहराया। जैसे ही ध्वज लहराया, पूरे परिसर में राष्ट्रगान की गूंज सुनाई दी और सभी ने एक स्वर में देश के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की। इस अवसर पर वातावरण पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर नजर आया।

ध्वजारोहण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से आजादी के संघर्ष और संविधान के महत्व को दर्शाया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संविधान के मूल्यों, लोकतंत्र और नागरिक कर्तव्यों पर भी अपने विचार साझा किए।

एसजीएसयू में एमपी स्किल कॉम्पिटिशन 2026 का आयोजन

प्रतिभागियों ने वेबपेज, ऐप डिजाइन जैसी टेक्निकल स्किल्स में दिखाया टैलेंट

भोपाल ■ निसं

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (स्त्रस्), भोपाल में युवाओं के कौशल विकास और तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एमपी स्किल कॉम्पिटिशन 2026 का आयोजन हुआ। यह प्रतियोगिता भारत सरकार की इंडिया स्किल्स एंड वर्ल्ड स्किल्स इंडिया पहल के तहत आयोजित हुई जिसके अंतर्गत प्रदेशभर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में 10वीं-12वीं उत्तीर्ण, आईटीआई एवं कॉलेज स्तर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान, प्रायोगिक कौशल, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमता का आकलन किया गया।

राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता में कुल 9 प्रमुख स्किल्स में प्रतिस्पर्धा कराई गई, जिनमें वेब टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशंस डेवलपमेंट, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, 3डी डिजिटल गेम आर्ट, डिजिटल इंटरएक्टिव मीडिया, ग्राफिक डिजाइन टेक्नोलॉजी, रिटेल सेल्स एवं विजुअल मर्चेंडाइजिंग शामिल रहीं। सभी प्रतियोगिताएं एप्टीट्यूड, प्रैक्टिकल एवं स्किल-आधारित रहीं, जिनमें प्रतिभागियों

द्वारा आधुनिक एआई टूल्स एवं विभिन्न सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म्स का उपयोग किया गया।

एमपी स्किल कॉम्पिटिशन में प्रतिभागियों ने टेक्निकल स्किल्स में शानदार टैलेंट का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों द्वारा ।।झस्रूआधारित 'बेटर लाइफ-हेल्दी लाइफ' थीम पर वेबपेज डिजाइन, फिटनेस ऐप का विकास, ऐप डिजाइन, ग्राफिक्स के अंतर्गत शू कंपनी के लोगो एवं क्रिएटिव्स, तथा शॉर्ट मॉडल एवं टेक्सचर डेवलपमेंट किए गए। इन सभी प्रोजेक्ट्स को तैयार करने में ब्लेंडर, माया, फोटोशॉप और कैनवा जैसे आधुनिक टूल्स का प्रभावी उपयोग किया गया। वहीं एनीमेशन स्किल के अंतर्गत लघु एनिमेटेड फिल्में बनाई गईं तथा विजुअल मर्चेंडाइजिंग स्किल के अंतर्गत फिजिकल मॉडल विकसित किए गए।

इस अवसर पर स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं को रोज़गारोन्मुखी एवं भविष्य-उन्मुख कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विश्वविद्यालय कौशल-आधारित शिक्षा के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

एसजीएसयू के कुलगुरु डॉ विजय सिंह और कुलसचिव डॉ सितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का सशक्त मंच मिला है,राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य परिवेश से जोड़ने का अवसर देती हैं।

गणतंत्र दिवस पर एम्स भोपाल में अंगदान करने वाले परिवारों का सम्मान

भोपाल ■ निसं

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर एम्स भोपाल में एक भावपूर्ण और प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंगदान जैसे महान मानवीय कार्य को सम्मान देना और आम नागरिकों को इसके महत्व से अवगत कराना था। इस अवसर पर स्वर्गीय शंकरलाल कुबरे एवं स्वर्गीय गणेश पाटिल के परिजनों को अंगदान के लिए सहमति देने के उनके साहसिक और संवेदनशील निर्णय के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एम्स भोपाल के अधिकारियों और चिकित्सकों ने दोनों परिवारों के धैर्य, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी की सराहना की।

एम्स भोपाल प्रशासन ने कहा कि ऐसे प्रेरक उदाहरण आम नागरिकों को अंगदान के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करते हैं और इससे स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलती है। अंगदान के माध्यम से एक व्यक्ति कई लोगों को जीवनदान दे सकता है, जिससे समाज में आशा और विश्वास का संचार होता है। कार्यक्रम का समापन दोनों परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए किया गया। साथ ही, अंगदान को एक राष्ट्रीय सेवा के रूप में अपनाने और मानवता के हित में आगे आने का संदेश दिया गया।

साईबर सुरक्षा के बारे में किया जागरूक

ढाबला, सीहोर। ग्राम पंचायत ढाबला में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के तत्वाधान में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव एवं डिजिटल सेवाओं की सही जानकारी देना था।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा न करने, मजबूत पासवर्ड रखने तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल भुगतान, आधार सेवाएं, ऑनलाइन सरकारी योजनाओं और साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत ढाबला से वीरेन्द्र मेवाड़ा, अरुण प्रताप, शुभम राजपूत, दीपक सेन, अभिषेक राठौर सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

चैनपुरा, सीहोर। चैनपुरा ग्राम में दिन रविवार साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए गए। ओटीपी और बैंक जानकारी साझा न करने तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी से सतर्क डिजिटल नागरिक बनने की अपील की गई। कार्यक्रम में दीपक शर्मा, पूजा सेन, दीपिका मीणा , आनंद मीणा , विनोद शर्मा, मनोहर मीणा, अंकित, कुलदीप, रोहित, महेश एवं ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रही।

खरगोन महिला किसान का सम्मान

ख़रगोन। आप हर उस लड़की के लिए प्रेरणा है जो खेत से दूर रहना शान समझती है। भारत सरकार ने हमारी भाभीजी श्रीमती सीमा पति बालकृष्ण कान्हा भाई डालकी को एक महिला किसान के नाते गणतंत्र दिवस 2026 दिल्ली के समारोह में आमंत्रित की गई और सम्मिलित भी हुई। भाभीजी ने हम सबको गौरान्वित किया है। यह पूरे निमाड़ के लिए गर्व की बात है। हम सभी बहुत, बहुत बधाई एवं शुभकामनाए देते हुए उनका हार्दिक हार्दिक अभिनन्दन करते है।

सिवनी मालवा-लोखर तलाई मार्ग बदहाल, हर कदम पर हादसे का खतरा

जगह-जगह गड्ढों से क्षतिग्रस्त लोखर तलाई रोड, ग्रामीणों में आक्रोश

सिवनी मालवा ■ निसं

तहसील के ग्राम लोखरतलाई और आदिवासी अंचल के लिए जाने वाले मुख्य मार्ग की हालत इन दिनों बदहाल होती जा रही है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त सड़क के चलते आए दिन वाहन फिसलने और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीण भोला रघुवंशी ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण, विद्यार्थी और किसान आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क की जर्जर स्थिति के कारण यात्रा करना जोखिम भरा हो गया है।

बरसात के समय गड्ढों में पानी भर जाने से वे दिखाई नहीं देते, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक दिक्कत होती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग को सड़क मरम्मत को लेकर अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि लोखर तलाई रोड की शीघ्र मरम्मत कर गड्ढों को भरा जाए, ताकि आवागमन सुचारू हो सके और किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

झाड़बीडा से आंवली घाट तक निकाली चुनरी यात्रा

सिवनी मालवा ■ निसं

नर्मदा जयंती पर झाड़बीडा से आंवली घाट तक श्रद्धालुओ ने चुनरी यात्रा निकाली। इस चुन्नी यात्रा मे ग्राम झाड़बीडा, नाहरकोला, बिल्दी के श्रद्धालू पुरुष महिलाये और बच्चे सेंकड़ों की संख्या मे शामिल हुए। झाड़बीडा से सुबह चुनरी यात्रा माँ नर्मदा की पूजन के साथ प्रारम्भ हुई। जो शाम लगभग 5 बजे आंवली घाट पहुंची जहा माँ नर्मदा का पूजन आरती करके यात्रा मे शामिल सभी महिला पुरुषों ने दीपदान किया। इसके पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया। चुनरी यात्रा मे सरपंच उमेश सिंह राजपूत, शुभम राजपूत, राकेश शर्मा, आकाश राजपूत सहित सेकड़ो ग्रामवासी शामिल हुए।

गणतंत्र दिवस पर आन-बान और शान से लहराया तिरंगा

बुधनी ■ निसं

नगर सहित ग्रामीण अंचलों में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास, उल्लास और देशभक्ति के वातावरण में गरिमापूर्वक मनाया गया। सुबह से ही नगर तिरंगे के रंग में रंगा नजर आया। शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति नारों के साथ प्रभातफेरी निकाली गई, जिससे वातावरण देशप्रेम से ओत-प्रोत हो गया।

नगर के सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों, बैंक, पंचायत भवनों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान का गायन किया गया। लोगों ने एक-दूसरे को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया।

नगर का मुख्य समारोह दशहरा मैदान में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संविधान की गरिमा, लोकतंत्र की मजबूती और

राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा अनुशासित एवं आकर्षक परेड मार्च प्रस्तुत की गई, जिसने दर्शकों की सराहना बटोरी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

समारोह के दौरान शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही नगर एवं जनपद स्तर पर विभिन्न शासकीय विभागों में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत, जनपद पंचायत अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता अर्जुन मालवीय, एसडीएम डी.एस. तोमर, तहसीलदार ललित सोनी, विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, शिक्षकगण, स्कूली बच्चे एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह के समापन पर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया गया तथा वंदे मातरम् और भारत माता की जय के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय हरदा में 5 दिवसीय करियर मेले का भव्य शुभारंभ

हरदा ■ निसं

स्थानीय डॉ. बी.आर. अंबेडकर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में मंगलवार, 27 जनवरी 2026 से पांच दिवसीय 'करियर मेले' का आगाज उत्साहपूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की विभिन्न राहों और करियर विकल्पों के प्रति जागरूक करना है कार्यक्रम का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है।

मां सरस्वती के पूजन से हुई शुरुआत: कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि और संस्था के प्राचार्य श्री एस.के. यादव , नोडल अधिकारी संजय बोरसे एवं मुख्य करियर काउंसलर श्रीमती ज्योति तिवारी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं कक्षा 9 वीं से 12 वीं के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन: उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्राचार्य श्री यादव ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में सही समय पर सही दिशा का चुनाव करना अनिवार्य है। यह पांच दिवसीय मेला विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता पहचानने में मदद करेगा। करियर काउंसलर ज्योति तिवारी और संजय बोरसे ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए बताया कि आने वाले पांच दिनों में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ विद्यार्थियों को प्रोफेशनल कोर्सेज, प्रतियोगी परीक्षाओं और स्वरोजगार के अवसरों की बारीकियों से अवगत कराएंगे।

मेले की मुख्य विशेषताएं: करियर गाइडेंस सत्र: प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर कार्यशाला।

काउंसलिंग डेस्क: व्यक्तिगत करियर परामर्श की सुविधा।

प्रदर्शनी: आधुनिक दौर के नए करियर विकल्पों की जानकारी।

यह आयोजन 31 जनवरी तक निरंतर जारी रहेगा, जिसमें जिसमें कैरियर गाइडेंस के साथ वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी और तनाव प्रबंधन जैसे विषयों पर भी छात्रों का मार्गदर्शन किया जाएगा ।

नर्मदा जयंती पर भिलाड़िया घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

पूजा-अर्चना के साथ हुआ अभिषेक, चुनरी चढ़ाकर की सुख-शांति की कामना की

सिवनी मालवा ■ निसं

विधानसभा क्षेत्र के शिवपुर तहसील स्थित पावन भिलाड़िया घाट पर माँ नर्मदा जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्मदा तट पर श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालुओं का नर्मदा तट पर आगमन प्रारंभ हो गया था, जिससे पूरा घाट भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने नर्मदा तट पर सामूहिक पूजन-अर्चन कर माँ नर्मदा से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना के समय 'नर्मदे हर' के जयघोष से पूरा घाट गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने माँ नर्मदा को मध्यप्रदेश की जीवनरेखा बताते हुए कहा कि नर्मदा नदी न केवल प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान है, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार भी है। उन्होंने नर्मदा संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। मां नर्मदा जयंती महोत्सव के अवसर पर भिलाड़िया घाट को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन एवं आयोजन समिति द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। आयोजन के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की महोत्सव के दौरान भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर और पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी विशेष रूप से भिलाड़िया घाट पहुंचे। दोनों वरिष्ठ नेताओं ने विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना कर अभिषेक किया। इसके पश्चात माँ नर्मदा को विशाल चुनरी अर्पित की गई, जो श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक रही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, भाजपा नेता योगेन्द्र सिंह मंडलोई, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मृगेंद्र सिंह मंडलोई, किसान नेता यशवंत पटेल, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वेन्द्र सिंह मंडलोई सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शासकीय विधी महाविद्यालय खरगोन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77 वां गणतंत्र उत्सव

खरगोन ■ निसं

खरगोन के शासकीय विधी महाविद्यालय में आज 77 वा गणतंत्र दिवस अत्यंत गरिमामय और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया महाविद्यालय परिसर में मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया राष्ट्रगान के पश्चात उपस्थित जन समूह ने तिरंगे को सलामी दी। विधि महाविद्यालय होने के नाते इस अवसर पर विशेष रूप से सभी प्राध्यापक को और विद्यार्थियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर दिग्विजय सिंह मंडलोई ने अपने

उद्बोधन में कहा कि गणतंत्र का अर्थ केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि संविधान के द्वारा दिए गए अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना है7 विधि के विद्यार्थियों के कंधों पर भी न्याय पूर्ण समाज बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीत और भाषण प्रस्तुत किए गए विशेष रूप से भारतीय संविधान का निर्माण विषय पर प्रस्तुत भाषण को काफी सराहा गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री चंद्रभान द्विवेदी सुश्री तृप्ति जायसवाल श्री पीएस रावत सुश्री तृप्ति सोनी सुश्री शिवांगी निराले सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे

मोरन नदी में बढ़ा जल स्तर सब्जी की खेती तबाह

सिवनीमालवा। मोरन नदी मे सोमवार को अचानक जल स्तर बढ़ जाने से सब्जी की खेती तबाह हो जाने से किसानो को लाखो रूपये का नुकसान हो गया। मोरन नदी मे अचानक जल स्तर बढ़ गया जिसके कारण अमलाड़ा कला के सब्जी वाले किसानों की पुरी सब्जी की फ़सल पानी मे बह गयी। जिसके कारण किसानों की पूरी फ़सल तबाह हो गयी। किसानों ने यहां सब्जी के लिए खाद बीज़ की व्यवस्था कर सब्जी लगायी थी जिसके लिए लाखो रुपया खर्च हुआ था। किसानों ने राजस्व विभाग से मांग की है कि उनके हुए नुकसान की भरपाई के लिए सर्वे करके उन्हे तबाह फ़सल का मुआवजा दिलाया जाए।

एनटीपीसी खरगोन में गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया

खरगोन ■ निसं

एनटीपीसी खरगोन में गणतंत्र दिवस का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ किया गया। इस शुभ अवसर पर श्री मोहन वी., बीयूएच, खरगोन ने शौर्य क्रीड़ांगन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इससे पूर्व दिन की शुरुआत में सेवा भवन में श्री जी. राजशेखर, महाप्रबंधक (ओएंडएम) द्वारा ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को गरिमामय बनाते हुए बाल भवन के विद्यार्थियों द्वारा सजीव रूप में राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री मोहन वी. ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा एनटीपीसी की गौरवशाली यात्रा और राष्ट्र निर्माण में इसके महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने वर्ष के दौरान खरगोन स्टेशन की प्रमुख उपलब्धियों एवं सफल पहलों को भी रेखांकित किया। इसके पश्चात बीयूएच द्वारा सीआईएसएफ, फायर विंग, डीजीआर एवं बीबीपीएस विद्यालय की परेड टुकड़ियों का निरीक्षण किया गया। एकता एवं सामूहिक गौरव के प्रतीक स्वरूप विभागाध्यक्षों, डीआरओ, वरिष्ठ अधिकारियों, एसोसिएशन एवं यूनियन के सदस्यों तथा अहिल्या महिला मंडल द्वारा तिरंगे गुब्बारों का प्रतीकात्मक विमोचन किया गया।

समारोह को और भी रंगारंग बनाते हुए नन्हे कदम, बाल भवन, अहिल्या महिला मंडल, बीबीपीएस, सीआईएसएफ फायर विंग एवं सीआईएसएफ परिवार के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। सांस्कृतिक कार्यक्रम का विशेष आकर्षण खेड़ी गांव की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य रहा, जिसे दर्शकों से भरपूर सराहना मिली। इसके उपरांत बीयूएच मेरिटोरियस अवॉर्ड्स के माध्यम से उत्कृष्ट कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही समारोह में सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों एवं बीई, 5एस, स्वच्छता पखवाड़ा, मेधा आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय की

एनसीसी कैडेट ने आरडीसी दिल्ली में लहराया सफलता का परचम

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, नर्मदापुरम की एनसीसी कैडेट्स ने लगातार दूसरे वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। जनवरी 2026 में आयोजित रिपब्लिक डे कैंप (ऋछ्ष्ट) परेड, नई दिल्ली में महाविद्यालय की सीनियर अंडर ऑफिसर कुमारी पूनम धुर्वे ने सहभागिता कर अपनी मेहनत और लगन से सफलता का परचम लहराया।

कुमारी पूनम धुर्वे एक ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली प्रतिभाशाली छात्रा हैं, जिन्होंने कठोर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के बल पर आरडीसी दिल्ली 2026 में अपना स्थान सुनिश्चित किया। उनकी इस उपलब्धि से न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे जिले में हर्ष और गर्व का वातावरण है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट अत्यंत अनुशासित, लगनशील एवं मेहनती है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की कैडेट्स निरंतर

नेशनल कैंप, फायरिंग कैंप आदि में चयनित होती रही हैं। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब कड़ी मेहनत एवं समर्पण के कारण आरडीसी में महाविद्यालय की कैडेट का चयन हुआ है। छात्राओं ने एनसीसी के नियमों एवं अनुशासन को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है।उन्होंने यह भी बताया कि महाविद्यालय की पूर्व एनसीसी कैडेट्स आज विभिन्न विद्यालयों में स्पोर्ट्स टीचर के रूप में सेवाएं दे रही हैं तथा मध्य प्रदेश पुलिस में भी कई पूर्व कैडेट्स का चयन हो चुका है। प्रतिस्पर्धा के इस युग में छात्राओं का निरंतर आगे बढ़ना महाविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

जगह जगह शान से फहराया तिरंगा. नपा ने नगर की प्रतिभाओं को किया सम्मनित

सिवनी मालवा ■ निसं

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर जगह जगह राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा शान से फहराया गया। न्यायालय परिसर मे जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मती तबस्सुम खान ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर पुलिस कर्मियों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। ध्वजारोहण कार्यक्रम मे न्यायाधीश अंजली अग्रवाल, सरोज डेहरिया, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नगरपालिका कार्यालय मे नगरपालिका उपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति शैलेन्द्र गौर ने ध्वजारोहण किया। जयस्तम्भ चौक पर नगरपालिका अध्यक्ष रितेश जेन ने ध्वजारोहण किया। एस डी ओ पी कार्यालय मे एस डी ओ पी महेंद्र सिंह चौहान ने, थाना परिसर मे थाना प्रभारी सुधाकर

बारस्कर ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सभी पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। तहसील कार्यालय मे एस डी ओ विजय राय ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर तहसीलदार नितिनकुमार झोड़, शंकरसिंह रघुवंशी, नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान सभी राजस्व निरीक्षक, पटवारी, एवं तहसील कार्यालय के सभी कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जनपद कार्यालय मे जनपद अध्यक्ष श्रीमती रेणुका मंडलोई ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर समस्त जनपद सदस्य गण, जनपद सी ई ओ श्रीमती श्रुति चौधरी एवं जनपद कार्यालय के समस्त कर्मचारी गण उपस्थित रहे। गांधी चौक पर कांग्रेस पदाधिकारीयो के साथ कांग्रेस जनो ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद गांधी जी की प्रतिमा पर भाजपा के पदाधिकारीयों एवं भाजपाइयों ने माल्यार्पण किया। आई टी आई के ग्राउंड पर नगर का ध्वजारोहण का मख्य कार्यक्रम हुआ जहां राजयसभा सांसद माया नरोलिया ने ध्वजारोहण किया। नपाध्यक्ष रिंकू जेन ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। नगर के इस मुख्य ध्वजारोहण कार्यक्रम मे नगर के स्कूलों के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। एन सी सी के केडेट्स भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। स्कूली बच्चो ने इस अवसर पर भाषण और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। जिनमे लघु नाटका, एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियो के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। राज्य सभा सांसद ने नगर विकास के लिए 25 लाख रुपया देने की घोषणा की विद्यायक प्रेमशंकर वर्मा ने नगर के सभी 15 ही वार्डो मे 2-2 लाख रुपया विकास कार्यो के लिए देने की घोषणा की। वही नगरपालिका द्वारा नगर प्रतिभावान खिलाड़ियों और उच्च अंक लाने वाले विद्यार्थियों को तथा नगरपालिका मे अच्छा कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया। शिव सेना कार्यालय मे शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष पिंटू राठौर ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर शिवसेना के योगेश राठौर, नाना भाई, संदेश कुचबंदिया, अमित पेंटर, कन्हैया मामा, आकाश निम्बोदिया, मंगेश कुचबंदिया सहित अनेक शिवसेनिक उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत मालापाट मे सरपंच चंद्रशेखर व्यास ने ध्वजारोहण किया।

अनमोल वचन

साहित्य का कर्तव्य केवल ज्ञान देना नहीं है परंतु एक नया वातावरण देना भी है। - **डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली**

शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाए, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम, दे सकता है। - **सरदार पटेल**

सम्पादकीय

जजों द्वारा सरकार के खिलाफ फैसले, सजा और ट्रांसफर तय?

भारत में न्याय पालिका को संविधान ने सर्वोच्च स्थान पर रखा है। विधायिका और कार्यपालिका के कार्यों की समीक्षा तथा अंतिम फैसला करने का अधिकार संविधान ने न्यायपालिका को दिया है। अब ऐसा ऐसा लगने लगा है, न्यायपालिका सरकार के अधीन है। सरकार के दबाव में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज फैसला करने के लिए बाध्य हैं। यदि जज सरकार की अनुकूलता के अनुसार फैसला नहीं देते हैं, तो पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से जजों के ट्रांसफर किए जा रहे हैं, जिस तरह से उनकी वरिष्ठता क्रम को नजर अंदाज करते हुए, उनकी नियुक्तियां की जा रही हैं। उसको लेकर अब विरोध खुलकर सामने आने लगा है। न्यायपालिका की कॉलेजियम व्यवस्था, हाईकोर्ट ?र सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर सवालिया निशान लगना शुरू हो गए हैं। यह स्थिति भारतीय संविधान, लोकतंत्र और न्यायपालिका के अस्तित्व पर बहुत बड़ा सवाल खड़ा करने लगी है। कॉलेजियम की अनुशंसा पर सरकार का विधि मंत्रालय ट्रांसफर आदेश जारी करता है। कॉलेजियम की अनुशंसा में यह उल्लेख होने लगा है, यह अनुशंसा सरकार के अनुरोध पर की गई है। जो अपने आप कॉलेजियम की अधिकारिता को दर्शा रही है। सुप्रीम कोर्ट के जज उज्ज्वल भुइयाँ ने सार्वजनिक रूप से न्यायपालिका के ऊपर कार्यपालिका के प्रभाव को स्वीकार किया है। जजों की नियुक्ति, ट्रांसफर और पोस्टिंग में जिस तरह का हस्तक्षेप सरकार द्वारा किया जा रहा है, उदाहरण स्वरुप हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में एक जज की नियुक्ति हुई है। उस नियुक्ति में 56 जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज किया गया। इसके बाद न्यायपालिका में खदर-बदर मची हुई है। सुप्रीम कोर्ट में जूनियर जजों को महत्वपूर्ण मामले दिए जा रहे हैं। सीनियर जजों को कम महत्व के मामले दिए जाते हैं। न्यायपालिका में जिस तरीके से न्याय हो रहा है, उस पर बड़ा प्रश्न चिन्ह लगने लगा है। हाल ही में कई जजों के ऐसे ट्रांसफर किए गए हैं, जो उनके फैसलों के कारण हुए हैं। दिल्ली दंगे के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज ने हेट स्पीच को लेकर एक फैसला दिया था। फैसला देने के तुरंत बाद रातों-रात उस जज का ट्रांसफर कर दिया गया। हाल ही में न्यायमूर्ति श्रीधरन का ट्रांसफर सरकार के अनुरोध पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में किया गया। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन के मंत्री विजय शाह द्वारा एक महिला सेवा अधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी को संज्ञान मे लिया था। हेट स्पीच को लेकर दमोह के एक मामले में कार्यवाही की थी। नर्सिंग कॉलेजों में जो घोटाला हो रहा था, इसकी सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसी तरह पैरामेडिकल कॉलेज जो बिना किसी मान्यता के चल रहे थे, उन पर रोक लगाई थी। सरकार उनके फेसलों से नाराज थी। कॉलेजियम ने उनका ट्रांसफर छत्तीसगढ़ करने की अनुशंसा की थी। बाद में सरकार के हस्तक्षेप से उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजा गया। जहां पर उनकी वरिष्ठता खत्म हो गई। अब वह चीफ जस्टिस नही बन पाएंगे। ना सुप्रीम कोर्ट जा पाएंगे। जबकि छत्तीसगढ़ की वरिष्ठता के आधार पर वह सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच सकते थे। इस तरह के एक नही बहुत सारे मामले, पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिले हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जिन जजों ने सरकार के पक्ष में फैसला नहीं दिया, उन जजों को प्रताड़ित करने का काम कॉलेजियम के माध्यम से सरकार द्वारा किया गया है। जिसके कारण न्यायपालिका की साख आम आदमी की नजरों में कम होती चली जा रही है। इस बात का उल्लेख कोई और नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान जज भुइयां ने सार्वजनिक कार्यक्रम में किया है। जजों की नियुक्ति, ट्रांसफर और पोस्टिंग में कार्यपालिका द्वारा जिस तरह का दबाव कॉलेजियम और जजों के ऊपर बनाया जा रहा है। उनका कहना था, न्यायिक तबादले केवल न्याय के बेहतर प्रशासन के लिए होने चाहिए। अब ट्रांसफर, पोस्टिंग कार्य पालिका के दबाव में सजा के रूप में की जा रही है। इस दखल को उन्होंने गंभीर चिंता का विषय बताया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है, एक बार न्यायपालिका की विश्वसनीयता खत्म हो गई, तो संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखना किसी के वश में नहीं होगा। सारे देश के हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज जिस तरह से सरकार के दबाव में काम करते हुए नजर आ रहे हैं, उसके बाद न्याय पालिका के ऊपर लोगों का विश्वास खत्म होता जा रहा है। खुलकर न्यायपालिका की आलोचना होने लगी है। अब न्यायालय में जाने के स्थान पर आम लोग राजनेताओं और गुंडे बदमाशों का सहारा लेने लगे हैं। आम आदमी सार्वजनिक स्थलों पर अपना विरोध दर्ज कराने लगे हैं। अभी यह प्रारंभिक स्तर पर है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु:ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दु?ख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है।

सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

महाभारत के युद्ध में अर्जुन ने भीष्म को बाणों से छलनी कर दिया और भीष्म पितामह को बाणों की शैय्या पर सोना पड़ा। इसके पीछे भी भीष्म पितामह के कर्म का फल ही था। बाणों की शैय्या पर लेटे हुए भीष्म ने जब श्री कृष्ण से पूछा, किस अपराध के कारण मुझे इसे तरह बाणों की शैय्या पर सोना पड़ रहा है। इसके उत्तर में श्री कृष्ण ने कहा था कि, आपने कई जन्म पहले एक सर्प को नागफनी के कांटों पर फेंक दिया था। इसी अपराध के कारण आपको बाणों की शैय्या मिली है। इसलिए कभी भी जाने-अनजाने किसी भी जीव को नहीं सताना चाहिए। हम जैसा कर्म करते हैं उसका फल हमें कभी न कभी जरूर मिलता है।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वैच्छिक योगदान

डॉ. प्रियंका सौरभ

> 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया।

भारत के ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण, पोषण और स्वास्थ्य काफी हद तक आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर निर्भर करता है। ये वे महिलाएं हैं जो घर-घर जाकर टीकाकरण करती हैं, बच्चों में कुपोषण का पता लगाती हैं, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव में सहायता करती हैं और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया गया था, लेकिन आजकल ये महिलाएं सड़कों पर हैं, उनका गंतव्य पश्चिम बंगाल का सियालदह रेलवे स्टेशन या कर्नाटक का फाउंटेन चौक है। उनकी स्थिति भी बेहतर नहीं है: क्या राष्ट्र के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली इन महिलाओं को श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा? आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं। सन् 1975 में आईसीडीएस और सन् 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सशक्त बनाना था। शुरुआत में, सरकारी खर्च को सीमित करने के लिए स्वैच्छिक प्रणाली अपनाई गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएं पूर्णकालिक कामगारों के रूप में कार्यरत हैं। आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 40 बच्चों की देखभाल, पोषण वितरण और रिकॉर्ड रखने का काम करती हैं। 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया। बाद में, 2024 में गुजरात उच्च न्यायालय ने समानता के सिद्धांत के आधार पर उन्हें राज्य कर्मचारी के रूप में स्वीकार किया, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पदोन्नति के मुद्दे पर विचार करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद, केंद्र और राज्य की नीतियां असंगत और अनियमित हैं।

मानदेय का प्रचलन शर्मनाक है। आशा कार्यकर्ताओं को 3,500 से 6,000 के बीच न्यूनतम मानदेय मिलता है, और वह भी प्रोत्साहन राशि पर आधारित है। कर्नाटक में 6,000 का मानदेय निर्धारित है, लेकिन इसका भुगतान आठ-नौ महीने देरी से होता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को औसतन 15,000 मिलते हैं। कोई अवकाश नहीं, कोई परिवहन भत्ता नहीं, उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण नहीं। मातृत्व अवकाश भी बहुत कम हैं, और कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है।

चूंकि यह शब्द स्वयंसेवकों पर लागू होता है, इसलिए वे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 और चार नए श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में न्यूनतम मजदूरी के लिए [?]26,000 की सिफारिश अभी तक लागू नहीं की गई है। ईपीएफ और ईएसआई जैसी कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है। सेवानिवृत्ति पेंशन में [?]1,200 की वृद्धि की मांग वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ई-श्रम कार्ड कोई पात्रता प्रदान नहीं करता, बल्कि केवल डेटा एकत्र करता है। विडंबना यह है कि देश में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाएं स्वयं ही असुरक्षित हैं। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 35 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं और शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 28 है। आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इन आंकड़ों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 के दौरान 500 से अधिक कर्मचारी शहीद हो गए और मुआवजे की घोषणा भी की गई, लेकिन भुगतान में भारी देरी हुई। मानसिक तनाव, कार्यभार और हरियाणा जैसे राज्यों में 20 प्रतिशत रिक्त पदों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। यह एक राजनीतिक स्तर की समस्या है जिसे स्वीकार किया गया है। 16 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाया था। बजट 2026 में कुछ संकेत दिए गए थे, लेकिन कोई निश्चित और बाध्यकारी निर्णय नहीं लिया गया। यूनियनों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे और अधिक आंदोलन करेंगे।

समाधान ढांचागत होने चाहिए, न कि आधे-अधूरे उपाय। श्रम कानूनों के माध्यम से योजना के तहत कामगारों को कर्मचारी का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसके लिए न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये, पेंशन 10,000 रुपये और ईपीएफ अनिवार्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को कम से कम 50 प्रतिशत मानदेय का भुगतान करना चाहिए और राज्यों को सभी रिक्त पदों को तुरंत भरना चाहिए। अतिरिक्त समय, मातृत्व अवकाश, स्थायी कार्यस्थल, ऑनलाइन प्रशिक्षण और श्रमिक संघों की मान्यता प्रदान की जानी चाहिए।

सनातन,संत, सत्ता और संग्राम

तनवीर जाफरी

> यदि आप शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विगत कुछ वर्षों की सक्रियता व उनकी कारगुज़ारियों पर नज़र डालें तो हम यह देखेंगे कि वे बे हिचक और बिना लाग लपेट के और बिना सत्ता की परवाह किये अपनी बात कहने वाले संत हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनवरी 2024 में अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करते हुये कहा था कि उस समय चूँकि मंदिर का शिखर, कलश और ध्वज स्थापित नहीं थे लिहाज़ा अधूरे मंदिर में प्रतिष्ठा करने से मूर्ति में आसुरी शक्ति प्रवेश कर सकती है, जो शास्त्रों के विरुद्ध है। इसी तरह उन्होंने नवंबर 2025 में भी ध्वजारोहण पर यह कहते हुये सवाल उठाए थे कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं है, बल्कि शिखर प्रतिष्ठा होती है, जो अभी बाक़ी थी।

गत दिनों मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में उस समय के एक अजीब स्थिति पैदा हो गयी जबकि माघ मेला में मेला प्रशासन व पुलिस द्वारा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोका गया ? मेला प्रशासन के अनुसार सुरक्षा कारणों से उनके वाहन (पालकी) को रोका गया और स्नान हेतु पैदल जाने को कहा गया। परन्तु शंकराचार्य जी ने इस प्रशासनिक निर्देश को प्रोटोकॉल का उल्लंघन मानते हुए अस्वीकार कर दिया। घटना के सम्बन्ध में प्राप्त ब्यौरे के अनुसार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मौनी अमावस्या के दिन अपनी पालकी पर सवार होकर अपने सैकड़ों भक्तों व अनुयायियों के साथ संगम नोज़ की तरफ़ बढ़ रहे थे। उसी समय मेला प्राधिकरण की ओर से तैनात पुलिस ने भारी भीड़ बताकर उनकी पालकी को रोक दिया और शंकराचार्य जी से सीमित अनुयायियों के साथ पैदल स्नान स्थल तक पहुँचने व स्नान करने का अनुरोध किया। परन्तु शंकराचार्य ने पूरे सम्मान और प्रोटोकॉल की मांग की, जो अस्वीकार होने पर उन्होंने स्नान नहीं किया और अनशन पर बैठ गए। इस संबंध में मेला व पुलिस प्रशासन का पक्ष है कि शंकराचार्य को स्नान से नहीं, बल्कि वाहन से स्नान लिये जाने से रोका गया था और सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन के लिए यह ज़रूरी भी था।

परन्तु शंकराचार्य जी व उनके शिष्यों द्वारा जो आरोप लगाये गये हैं वे बेहद गंभीर हैं। कहा जा रहा है कि पुलिस द्वारा शंकराचार्य जी महाराज के शिष्यों की चोटी (शिखा) को पकड़कर घसीटा गया,उन्हें बुरी तरह पीटा गया व अपमानित किया गया। इस घटना को केवल एक कृत्य या हिंसा नहीं, बल्कि इसे सुनियोजित सांस्कृतिक अपमान बताया जा रहा है। क्योंकि यह सब उस समय हुआ जब शंकराचार्य, साधु,संत, शिष्य और श्रद्धालु किसी विरोध या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और ईश्वर आराधना के लिए संगम घाट पर आए थे। लिहाज़ा क्या वजह है कि सनातन धर्म व संतों की रक्षा व इसके मान सम्मान की दुहाई देने वाली भाजपा सरकार के शासन काल में शंकराचार्य स्तर के सम्मानित संतों व उनके गुरुकुल के शिष्यों का धर्म क्षेत्र प्रयागराज में इस तरह अपमान किया गया?

इस घटना के फ़ौरन बाद जिस तरह 19 जनवरी को प्रशासन ने एक नोटिस चिपका कर 24 घंटे में शंकराचार्य जी से यह बताने को कहा गया कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य कैसे हैं ? गोया शंकराचार्य को स्नान से रोके जाने की बात यहां तक जा पहुंची कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य हैं या नहीं ? शंकराचार्य कैसे बनते हैं और कौन बना सकता है ? क्या सरकार तय करेगी कि कौन शंकराचार्य है और कौन नहीं ? यानी भीड़ को बहाना बनाकर शंकराचार्य की पालकी को रोकना उनके अनुयायियों से मारपीट करना व उन्हें अपमानित करना फिर उसके बाद उनकी शंकराचार्य की पदवी को ही चुनौती देने का अर्थ है कि उन्हें किसी पूर्वाग्रह के चलते ही रोका गया। साथ ही जिसतरह कई संत सरकार की भाषा बोलते व सरकार का पक्ष लेते दिखाई दिये उससे भी साफ़ हो गया कि उन्हें रोकना व अपमानित करना न केवल सत्ता के अहंकार का एक उदाहरण है बल्कि इसके पीछे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विरुद्ध सत्ता का पूर्वाग्रह भी नज़र आता है। हालाँकि देश का अधिकांश संत समाज अविमुक्तेश्वरानंद जी व उनके शिष्यों व अनुयायियों के साथ हुये दुर्व्यवहार व अपमान से आहत नज़र आया। इस घटना के बाद जिस तरह देश के कोने कोने से शंकराचार्य के अनुयायी व अनेक संत संगम तट पर इकठ्ठा होने शुरू किया इससे भी सरकार की काफ़ी फ़ज़ीहत हुई है।

यदि आप शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विगत कुछ वर्षों की सक्रियता व उनकी कारगुज़ारियों पर नज़र डालें तो हम यह देखेंगे कि वे बे हिचक और बिना लाग लपेट के और बिना सत्ता की परवाह किये अपनी बात कहने वाले संत हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनवरी 2024 में अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करते हुये कहा था कि उस समय चूँकि मंदिर का शिखर, कलश और ध्वज स्थापित नहीं थे लिहाज़ा अधूरे मंदिर में प्रतिष्ठा करने से मूर्ति में आसुरी शक्ति प्रवेश कर सकती है, जो शास्त्रों के विरुद्ध है। इसी तरह उन्होंने नवंबर 2025 में भी ध्वजारोहण पर यह कहते हुये सवाल उठाए थे कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं है, बल्कि शिखर प्रतिष्ठा होती है, जो अभी बाक़ी थी। उन्होंने इस आयोजन को मनमाना और शास्त्र-विरोधी भी बताया था तथा शंकराचार्यों को न बुलाने पर भी नाराज़गी जताई थी। शंकराचार्य ने प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ के लिये भी योगी आदित्यनाथ सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उस वक़्त उन्होंने कहा था कि सरकारी प्रबंधों के दावों की पोल खुल गई है और राज्य सरकार को ख़ुद ही हट जाना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा था कि महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का दावा करने वाली सरकार को व्यापक तैयारी करनी चाहिए थी, लेकिन भगदड़ ने सरकार की नाकामी उजागर कर दी।

लाला लाजपत राय: जिनकी लाठी ने आज़ादी की नींव और मजबूत की

28 जनवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, आर्य समाज के प्रमुख विचारक तथा प्रखर राष्ट्रवादी नेता लाला लाजपत राय की जयंती मनाई जाती है। अपनी ओजस्वी वाणी, निर्भीक तेवर और अंग्रेजी हुकूमत के सामने कभी न झुकने वाले व्यक्तित्व के कारण वे जनमानस में 'पंजाब केसरी' (पंजाब का शेर) के नाम से विख्यात हुए। उनकी गर्जना (ओजस्वी भाषण) इतनी प्रभावशाली होती थी कि सभाओं में उपस्थित हजारों लोग एक ही आह्वान पर उनके पीछे चल पड़ते थे। निस्संदेह, वे भारतीय इतिहास के उन तेजस्वी सितारों में से एक हैं जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। लाला

सुनील कुमार महला

लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के फिरोज़पुर ज़िले के धुडीके गाँव (तत्कालीन पंजाब, ब्रिटिश भारत) में हुआ था। उनके पिता मुंशी राधाकृष्ण उर्दू-फ़ारसी के विद्वान थे तथा माता गुलाब देवी एक धार्मिक एवं संस्कारवान महिला थीं। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। इसी दौरान वे स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से अत्यंत प्रभावित हुए और लाहौर में आर्य समाज से जुड़ गए। लाला जी का मानना था कि हिंदू धर्म का नैतिक आदर्शवाद जब राष्ट्रवाद के साथ जुड़ता है, तो वह एक धर्मनिरपेक्ष राज्य (सेकुलर स्टेट) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील था। वे दृढ़ता से विश्वास करते थे कि बिना शिक्षा के कोई भी राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता। इसी सोच के परिणामस्वरूप उन्होंने युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए तैयार करने हेतु 'सर्वेंट्स ऑफ द पीपल सोसाइटी' की स्थापना की तथा लाहौर में 'नेशनल कॉलेज' की शुरुआत की, जहाँ आगे चलकर भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारियों ने शिक्षा प्राप्त की।वे सामाजिक सुधारों के प्रबल समर्थक थे। 1890 के दशक के अंत में जब भारत के कई भागों में भीषण अकाल पड़ा, तब लाला जी ने राहत कार्यों का नेतृत्व किया और अनाथ बच्चों के लिए अनेक राहत शिविर एवं अनाथालय स्थापित कराए। वे विधवा पुनर्विवाह, स्त्री शिक्षा और छुआछूत उन्मूलन के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत रहे।राष्ट्रीय आंदोलन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल के साथ मिलकर उन्होंने उग्र राष्ट्रवादी नेताओं की प्रसिद्ध त्रयी 'लाल-बाल-पाल' का गठन किया। वे इस त्रयी के प्रमुख स्तंभ थे। वे हिंदू महासभा से भी जुड़े रहे और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध मुखर रहे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में उन्होंने पंजाब के अनेक राजनीतिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। वर्ष 1907 में अंग्रेज सरकार ने उन्हें आंदोलनकारी गतिविधियों के कारण बर्मा निर्वासित कर दिया, किंतु पर्याप्त प्रमाण न होने के कारण कुछ महीनों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। कम लोगों को ज्ञात है कि 1914 से 1919 के बीच लाला लाजपत राय अमेरिका में रहे। वहाँ उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुँचाया और ब्रिटिश शासन के अत्याचारों से अमेरिकी जनता को अवगत कराया। इसी दौरान उन्होंने 1917 में 'होम रूल लीग ऑफ अमेरिका' की स्थापना कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत की स्वतंत्रता के लिए नैतिक समर्थन माँगा।उन्होंने बंगाल विभाजन का कड़ा विरोध किया, रौलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड की तीखी निंदा की।

खास बात

बिहार प्रभारी को लेने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भर पहुंचे

राहुल गांधी द्वारा नियुक्त किए गए बिहार के प्रभारी कृष्ण अल्लावरु पटना पहुंचे। वहां पर उन्हें लेने के लिए हवाई अड्डे पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम अकेले पहुंचे।कांग्रेस टिकट से लोकसभा चुनाव लड़ चुके एक नेता ने इसकी फोटो सोशल मीडिया में डाली है। बिहार में कांग्रेस की क्या स्थिति है, इसको लेकर राजीव गांधी को फोटो भेजी है। चुनाव के पहले अखिलेश प्रसाद सिंह को हटाकर राजेश राम को अध्यक्ष बनाया गया था। उसके बाद बिहार में कांग्रेस पार्टी की यह हालत है? बिहार में कांग्रेस संगठन की क्या हालत है, आसानी से समझा जा सकता है।

एसआईआर ने बिगाड़ दिया बंगाल चुनाव का खेल?

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को टाला जा सकता है। इस बात की आशंका दिखने लगी है।राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के बाद ही चुनाव होंगे।एसआईआर को लेकर जो गड़बड़ी हुई है। उससे मतदाता सूची के काम में विलंब हो रहा है। इसको आधार बनाकर राष्ट्रपति शासन लागू किया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ही पश्चिम बंगाल में चुनाव होंगे? इस तरह की आशंका व्यक्त की जा रही है। ममता बनर्जी के लिए एक बड़ी चुनौती सामने आने जा रही है।

दावोस मे देसी कंपनियों से करार?

स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में दुनिया भर से लोग पहुंच रहे हैं। यहां पर ग्रीनलैंड के मामले में यूरोपीय देशों के साथ संबंधों को परिभाषित किया जाना था। भारत से सैकड़ो राजनेता उद्योगपति दावोस आर्थिक मंच को लेकर वहां पहुंचे। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है।दावोस मे राज्य सरकारों ने भारतीय उद्योगपतियों से बड़े करार किए हैं। विदेश का कोई भी अनुबंध भारत में नहीं हुआ। इसको लेकर महाराष्ट्र झारखंड इत्यादि राज्यों में बड़ा बवाल हो रहा है। भारतीय निवेशकों को विदेश ले जाकर करार करना, सरकार का करोड़ों रुपए खर्च करना, चर्चा का विषय बन गया है। राजनेता और अधिकारी निवेश के नाम पर विदेश में तफरीह करने गए थे।इस तरह के आप अब विपक्ष लगा रहा है।

ट्रंप के आगे यूरोपीय देशों का सरेंडर?

डेनमार्क के संसाधन एवं सुरक्षा का भार अब अमेरिका का होगा। दावोस में डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक मुद्रा को देखने के बाद ग्रीनलैंड मामले में यूरोपीय देशों ने समझौते का रास्ता अपनाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते के बाद टेरिफ़ वापस लेने की घोषणा कर दी है। डोनाल्ड ट्रंप का यह खास अंदाज है। पहले वह डराते-धमकाते हैं। बाद में समझौता करके कुछ ना कुछ हासिल कर लेते हैं। ट्रंप ने अमेरिकी कंपनियों और निवेशकों के लिए मुनाफे के नए अवसर खोज लिए हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथी दसवी, बुधवासरे, रोहितणी/कृतिका नक्षत्रे, वृण योगे, गर करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 44/55 सर्वार्थ सिद्धयोग तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक, जिद्दी, हठी, योगी, भोगी, सैनिक, सिपाही, कर्नल, बिग्रेडियर, इंजी., प्रोफसेर, उत्तमवृत्ति वाला, शासक, प्रशासक, डॉक्टर, मिलेट्री तथा योगी होगा।

मेष राशि :- मन में अशांति, किसी परेशान से बचिए, कुटुम्ब की समस्याओं में समय बीतेगा।

वृष राशि :- संवेदनशील होने से बचिएगा नहीं तो अपने किए पर पछताना पड़ेगा, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- मानसिक कार्य में सफलता से संतोष, धन लाभ बिगड़े हुए कार्य अवश्य बनेंगे।

कर्क राशि :- विरोधी वर्ग का समर्थन फलप्रद हो तथा शुभ कार्यों के योग अवश्य बनेंगे।

सिंह राशि :- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहे, स्थिति पूर्ण नियंत्रण पर बनी रहेगी, ध्यान दें।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, धन लाभ आशानुकूल सफलता का हर्ष हो।

तुला राशि :- अधिकारी वर्ग से समर्थन फलप्रद रहे तथा कार्य अवश्य ही बनेंगे।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ, कार्यकुशलता से संतोष, पराक्रम एवं समृद्धि के योग बनेंगे।

धनु राशि :- स्त्री शरीर चिन्ता, विवाद ग्रस्त होने से बचिए, कार्य बनने के योग बनेंगे।

मकर राशि :- मनोबल उत्साह वर्धक हो, दैनिक कार्य गति में सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय में उत्तेजना, धन का व्यय एवं शांति निष्फल होगी।

मीन राशि :- समृद्धि के साधन जुटाए, इष्ट मित्र सुख वर्धक हो। **-पीएल गौतमाचार्य**

दैनिक पंचांग

28 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	कुंभ	07.40 बजे से
चंद्र	वृष में	मीन	09.13 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.44 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.22 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	16.35 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.51 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.03 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.14 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.29 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	03.45 बजे से
बजे तक		मकर	05.50 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 28 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 16.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 09.27 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 23.54 बजे को समाप्त।
करण गर 16.37 बजे तदनन्तर वणिज 03.17 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 9.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 15'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872603
जूलियन दिन 2461068.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 08
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुंदरता के लिए अपनायें ये तरीके

आंखों की सुंदरता के लिए गोल्ड आई शैडो का प्रयोग करें

सुंदरता के लिए अपनायें ये तरीके। इस प्रकार आप अपनी सुंदरता को बढ़ा सकती हैं। आंखों की सुंदरता के लिए गोल्ड आई शैडो का प्रयोग करें। आंखों पर गहरे रंग के आई पेंसिल का प्रयोग करें1 आप इलेक्ट्रिक ब्लर आईलाइनर के इस्तेमाल करने से भी अच्छा लुक पा सकती हैं1

रात के समय ब्लशर रंगों का होठों के रंगों से मेल जरूरी नहीं है, लेकिन टोन का रंग सामान्यता एक जैसा होना चाहिए। यदि आपने नारंगी लिपस्टिक लगाई है तो गुलाबी ब्लश से दूर रहिए। आप लिपस्टिक में लाल गहरे लाल रंग की शेड की लिपस्टिक का प्रयोग कर सकती हैं। गहरा गुलाबी रंग भी काफी आकर्षक लगेगा। ज्यादातर त्वचा के रंगों में नारंगी शेड भी काफी सराही जाती है।

उमस भरे मौसम में 3डी लुक पाने के लिए फेस पर ब्रांजिंग और हाइलाइटिंग बहुत जरूरी है। इसके साथ ही फेस पर बेस ब्लेंडेड करना भी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टोनिंग भी बेहद अनिवार्य है1 इसके लिए आप किसी मलमल के कपड़े में बर्फ डालकर अपने चेहरे पर हल्के-हल्के से मल सकती हैं। इससे पोर्स तो बंद हो ही जाएंगे और मेकअप भी देर तक टिका रहेगा।

अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप मॉइश्चराइजिंग लोशन से कुछ मिनट तक हल्के-हल्के मसाज कर सकती हैं।

अपनी त्वचा से अनचाहे दाग-धब्बे छुपाने के लिए कंसीलर का यूज कर सकती हैं। कंसीलर को अपनी उंगली में लेकर प्रभावित स्थान पर हल्के से थपथपा कर लगाएं, जिससे

कंसीलर आपकी स्किन में अच्छे से समा जाए.

अगर आपकी ड्रेस ज्यादा भारी नहीं है तो बहुत डार्क मेकअप ना करें, बल्कि लिपस्टिक और आई शेड्स में हल्के रंगों के उपयोग करें। आंखों पर मस्कारा लगाएं। आप लिक्विड काजल की जगह पेंसिल वाला काजल भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

अगर आपकी ड्रेस हैवी है तो लिक्विड काजल का इस्तेमाल करें और मस्कारा लगाएं। साथ ही लिपस्टिक और आई शेड्स डार्क गहरे रंग के इस्तेमाल करें। चाहें तो होठों के लिए लिक्विड लिप ग्लॉस का उपयोग भी कर सकती हैं।

ड्रेस के बाद बारी आती है हेयर स्टाइल की। आप चाहे कितना भी अच्छा मेकअप कर लें या ज्वेलरी पहने जब तक आपका हेयर स्टाइल सही नहीं है आपका लुक परफेक्ट नहीं लग सकता। इसलिए अपने बालों को अच्छा सा हेयर स्टाइल दें।

अगर आपके बाल छोटे हैं तो उन्हें खुला ही छोड़ दें। खुले बालों में भी काफी स्टाइल दिए जा सकते हैं। जैसे कि आप अपने बालों को सामने की ओर से पफ दे सकती हैं या क्लिप्स की मदद से सामने के बाल थोड़े-थोड़े लेकर पीछे की ओर घुमाकर पिनअप कर सकती हैं।

फटी एड़ियाँ ऐसे होंगी ठीक

पैरों की खूबसूरती भी जरुरी है पर कई बार धूल लगने से एडियां फट जाती है

पैरों की खूबसूरती भी जरुरी है पर कई बार धूल लगने से एडियां फट जाती है। इससे पैरों की खूबसूरती कम हो जाती है पर फटी एडियों को ठीक करने के लिए कहीं बाहर जाने की बजाय कुछ घरेलू उपायों को करना ठीक रहता है।

नींबू रहेगा फायदेमंद

नींबू का इस्तेमाल करके फटी एड़ियों को सही किया जा सकता है। इसके लिए नींबू के रस को गर्म पानी में मिलाएं और 10 से 15 मिनट तक पैरों को पानी में डुबोए रखें. इसके बाद एड़ी को प्यूमिक स्टोन से साफ करें और फिर पैरों को धो कर तौलिये से पोछ लें।

गुलाब जल और ग्लीसरीन

ग्लीसरीन और रोजवॉटर (गुलाब जल) फटी एड़ियों को सही करने और एड़ियों को मुलायम करने में मदद करता है। सबसे पहले ग्लीसरीन और रोजवॉटर को बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट तैयार कर लें। रात को सोने से पहले इस पेस्ट को एडियों पर लगा लें।

वनस्पति तेल

वनस्पति तेल भी फटी एड़ियों के लिए काफी सही रहता है। वनस्पति तेल में जैतून, नारियल, तिल या किसी भी तरह

का वनस्पति तेल लेकर रात को सोने से पहले एडियों में मसाज करने से फायदा मिलेगा। इसके लिए सबसे पहले पैरों को गर्म पानी में भिगोकर रखें और बाद में स्क्रब कर के सुखा लें। इसके बाद वनस्पति तेल को एड़ी और तलवों पर लगाकर मोजे पहनकर सो जाएं।

नीम

नीम भी फटी एड़ियों को सही करने में कारगर साबित हो सकता है. इसके लिए सबसे पहले नीम की पत्तियों को हल्दी के साथ मिक्स कर के पेस्ट तैयार कर लें और इस पेस्ट को एडियों पर लगा लें। इस पेस्ट को 1 घंटे लगाकर रखें और फिर पानी से साफ कर लें।

लंबाई के अनुसार कपड़ों का चयन करें

अगर आपकी लंबाई कम है तो आप को इस प्रकार के कपड़ों का चयन करना चाहिये। कपड़े ऐसे हों जिनमें वर्टीकल पट्टियां हों। इसका कारण यह है कि हॉरीजौन्टल पट्टियों में आपकी लंबाई कम लगेगी। आप मोटी या पतली वर्टीकल पट्टियों को पहन सकती हैं। केवल फैशन के पीछे न भागे। स्कर्ट, क्रॉप पैंट जैसी चीजों से आपको बचना चाहिए क्योंकि आप ऐसी चीजें पहनकर और छोटी लगेंगी।

एंकिल तक की पट्टियों को कहें बाय बाय- एंकिल तक की पट्टियों वाले कपड़ों और जूतों को आप अपने से दूर रखें क्योंकि इससे आप और छोटी लगेंगी। अगर आपको एंकिल तक की पट्टियों वाले फुटवियर पसंद हैं तो उसमें हील जरुर हों।

अगर आप बड़े आकार के बैग का इस्तेमाल करती हैं तो उसे बदल दें। ज्यादा बड़े आकार के बैग को कैरी करने से आपकी हाइट और कम लगती हैं। इसलिए आप ऐसा बैग लें जिस में आप अच्छी लगें।

शर्ट ड्रेस से दूर रहें-

जिनके पैरों की लंबाई ज्यादा होती हैं उन पर शर्ट वाली ड्रेस अच्छी लगती हैं। शर्ट वाली ड्रेस का कोई अपना आकार नहीं होता हैं इसलिए ये आपको चकोर लुक देता हैं जो आप पर थोड़ा अजीब लग सकता हैं।

गहरी कट के कपड़े पहनें-

वी आकार की नेकलाइंस वाले कपड़े आप पर अच्छे भी लगेंगे और उसमें लंबी भी लगेंगी। अगर आपकी हाइट कम हैं तो ये

अगर आपको मैक्सी ड्रेस पसंद हैं तो आप उसे पहन सकती हैं। लेकिन फिटिंग को ध्यान में रखते हुए वो नीचे की तरफ से थोड़ा कसा हुआ हो। इसमें आप स्मार्ट और स्टाइलिश लगेंगी।

ब्लैकहेड्स मिनटों में होंगे दूर

खूबसूरती से हर किसी बेहद प्यार होता है। वहीं चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स और व्हाइटहैड्स पूरी पर्सनैलिटी पर इफैक्ट डाल सकते हैं। इन्हें हटाने के लिए लड़कियां कई उपचार करती है, जिससे दर्द के साथ खर्चा भी बेहद होता हैं। ऐसे में आप बिना किसी दर्द व खर्च घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके ब्लैकहैड्स से छुटकारा पा सकती हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा में गुलाबजल व पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को ब्लैकहैड्स वाली जगह पर अप्लाई करें। थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें जब पेस्ट सूख जाए तो इसे वैक्सिंग की तरह हल्के

हाथों से खींचते हुए उतारें।

टूथब्रश

खराब टूथब्रश को फैंकने के बजाएं उसे ब्लैकहैड्स निकालने के लिए इस्तेमाल करें। पहले ब्रश पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और ब्लैकहेड्स वाली जगह पर इसे हल्के से रगड़ें। इससे रोजाना इस्तेमाल करने से आपको ब्लैकहैड्स खुद व खुद निकलते नजर आएगें।

शहद और चीनी

शहद और चीनी को मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे ब्लैकहेड्स से प्रभावित जगहों पर लगाएं और कम से कम 2 मिनट तक रगड़ें। रगड़ने के बाद इसें 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और बाद में चेहरा धो लें।

एक्टिवेटेड चारकोल

रात को 2-3 एक्टिवेटेड चारकोल कैप्सूल लेकर अच्छी तरह पीस लें। फिर इसमें1/4 चम्मच जेलेटिन, 1 विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर मास्त तैयार करें। अब इसे पेस्ट को ब्लैकहैड्स से प्रभावित जगह पर लगाएं और सूख जाने के बाद खींचकर निकालें

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में

शामिल करना होगा जिससे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

साई खेल विज्ञान प्रभाग ने शूटिंग-तीरंदाजी के कोचों के लिए शुरू की विशेष कार्यशाला

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के खेल विज्ञान प्रभाग ने शूटिंग और तीरंदाजी से जुड़े साई कोचों के लिए चार दिवसीय विशेष खेल विज्ञान कार्यशाला सोमवार से इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित साई खेल विज्ञान प्रभाग में शुरू की। इस अवसर पर खेल सचिव एवं महानिदेशक, साई, हरि रंजन राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उद्घाटन संबोधन में दैनिक प्रशिक्षण वातावरण में खेल विज्ञान के गहरे एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। राव ने कहा, 'मंत्रालय और सरकार खेल विज्ञान पहलों को हर संभव समर्थन देंगे, लेकिन यह आवश्यक है कि हम सोच-समझकर निवेश करें और परिणाम देने के लिए खेल विज्ञान का सटीक उपयोग करें। खासकर उन खेलों में जहां मामूली सुधार भी पदक और भागीदारी के बीच अंतर पैदा कर सकता है, वहां खेल विज्ञान की भूमिका बेहद अहम है।' यह कार्यशाला दिसंबर में शुरू हुई कोच सेंसिटाइजेशन कार्यशालाओं की श्रृंखला का हिस्सा है। इससे पहले हॉकी, बॉक्सिंग, कुश्ती, जूडो और एथलेटिक्स जैसे खेलों में भी इसी तरह की कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं, और अब इसमें शूटिंग व तीरंदाजी को शामिल किया गया है। राव ने आगे कहा, 'खेल विज्ञान कुशल प्रशिक्षण, चोटों की रोकथाम और खिलाड़ियों के लंबे करियर को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे खिलाड़ियों और उनके परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम होता है।

प्रो रेसलिंग लीग 2026: कप्तान युई सुसाकी के नेतृत्व में हरियाणा थंडर्स शीर्ष पर

नोएडा। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 में हरियाणा थंडर्स की शानदार सफलता के पीछे कप्तान युई सुसाकी की दमदार अगुवाई सबसे बड़ी वजह बनकर उभरी है। जापान की स्टार पहलवान ने न सिर्फ मैट पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है, बल्कि एक प्रेरक कप्तान के रूप में टीम को एकजुट रखते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान तक पहुंचाया है। तेज रफ्तार और लगातार मुकाबलों वाली इस लीग में सुसाकी ने नियमित प्रतिस्पर्धा की चुनौती को पूरी तरह अपनाया है। उनका मानना है कि लगातार मैच खेलने से लय बनी रहती है और इसका असर उनके प्रदर्शन में साफ दिखा है। सुसाकी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'प्रो रेसलिंग लीग मेरे लिए एक अच्छा अनुभव है क्योंकि इस लीग में मुझे कई बार मुकाबला लड़ने का मौका मिलता है।' मैट पर उनका अंदाज सटीक और प्रभावशाली रहा है। सीजन के एक मुकाबले में उन्होंने एक मिनट से भी कम समय में जीत दर्ज कर अपनी ताकत और तकनीक का परिचय दिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026

स्वितोलिना ने गॉफ को पराजित किया सेमीफाइनल में सबालेंका से भिड़ंत

मेलबर्न ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना क्वार्टरफाइनल में ही टूट गया। यूक्रेन की 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने मंगलवार को खेले गए मुकाबले में गॉफ को महज 59 मिनट में 6-1, 6-2 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ स्वितोलिना पहली बार मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहीं।

इससे पहले वह तीन बार क्वार्टरफाइनल तक ही सीमित रह चुकी थीं। 31 वर्षीय स्वितोलिना के लिए यह जीत उनके पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदों को भी जिंदा रखे हुए है। मैच की शुरुआत से ही कोको गॉफ की सर्विस में कमजोरी साफ नजर आई। उन्होंने मुकाबले में पांच डबल फॉल्ट किए और चार बार अपनी सर्विस गंवाई, जिसका पूरा फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने आक्रामक खेल दिखाया और बेहद जल्दी पहला सेट अपने नाम कर लिया।

सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही स्वितोलिना की टॉप-10 में वापसी भी तय मानी जा रही है। मैच के बाद स्वितोलिना ने कहा, 'अब तक टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से मैं बेहद खुश हूं।' उन्होंने कहा, 'मैटरनिटी लीव के बाद टॉप-10 में लौटना हमेशा मेरा सपना रहा है। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है और यही मुझे आगे बढ़ते रहने

की प्रेरणा देता है। ऑस्ट्रेलिया में इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन से मैं बेहद संतुष्ट हूं।'

तेज गर्मी के कारण आयोजकों द्वारा एक्सट्रीम हीट पॉलिसी लागू किए जाने के बाद रोड लेवर एरीना की छत बंद कर दी गई थी। ठंडे हालात में खेलने के लिए गॉफ ने अपनी लय वापस पाने की कोशिश में कई रैकेट दोबारा स्ट्रिंग करवाए, लेकिन उन्हें खास सफलता नहीं मिली। दूसरे सेट में स्वितोलिना ने 3-0 की बढ़त बना ली। गॉफ ने कुछ होल्ड के जरिए वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन यूक्रेनी खिलाड़ी का दबदबा बना रहा और उन्होंने आसानी से मैच जीतकर सेमीफाइनल में टॉप सीड आर्यना सबालेंका के खिलाफ मुकाबला तय कर लिया।

ऑकलैंड में इस महीने खिताब जीतने के बाद स्वितोलिना इस समय 10 मैचों की जीत की लय में हैं।

इससे पहले टॉप सीड आर्यना सबालेंका ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी इवा जोविच को 6-3, 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भीषण गर्मी से प्रभावित इस मुकाबले में सबालेंका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। यह मैच रोड लेवर एरिना में खेला गया, जहां शुरुआत में छत खुली रखी गई थी। मेलबर्न में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की चेतावनी के बीच यह फैसला लिया गया।

हालांकि, इसके बाद खेले गए पुरुष क्वार्टरफाइनल मुकाबले से पहले छत बंद कर दी गई। सबालेंका ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाते हुए मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली। हालांकि 29वीं वरीय जोविच ने हार नहीं मानी और नौवें गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट हासिल किए। यह गेम करीब 10 मिनट तक चला, लेकिन सबालेंका ने संयम बनाए रखते हुए पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली और युवा अमेरिकी खिलाड़ी की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया। जोविच ने इस दौरान कुछ गैरजरूरी गलतियां भी कीं, जिसमें ब्रेक प्वाइंट पर किया गया डबल फॉल्ट अहम रहा।

फीफा विश्व कप 2030 का फाइनल स्पेन में होगा : राफेल लूजान

मैड्रिड ■ एजेंसी

फीफा विश्व कप 2030 का फाइनल मुकाबला स्पेन में खेला जाएगा। यह जानकारी रॉयल स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) के अध्यक्ष राफेल लूजान ने सोमवार को दी। हालांकि फीफा ने अभी तक आधिकारिक तौर पर फाइनल के आयोजन स्थल की घोषणा नहीं की है।

स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को संयुक्त रूप से 2030 विश्व कप की मेजबानी करेंगे, लेकिन फाइनल मैच को लेकर लंबे समय से अटकलें चल रही थीं। मीडिया से बातचीत के दौरान राफेल लूजान ने साफ शब्दों में कहा, 'स्पेन विश्व कप की अगुवाई करेगा और फाइनल यहीं खेला जाएगा।' हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि फाइनल किस शहर या स्टेडियम में होगा। स्पेनिश मीडिया में लंबे समय से रियल मैड्रिड के सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम को फाइनल के संभावित स्थल के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में इस स्टेडियम का नवीनीकरण किया गया है और यह बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार माना जाता है। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया था कि मोरक्को फाइनल की मेजबानी कर सकता है। मोरक्को की योजना निर्माणाधीन हसन द्वितीय स्टेडियम में फाइनल कराने की थी। यह स्टेडियम 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है और इसकी प्रस्तावित क्षमता 1,15,000 दर्शकों की होगी, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा फुटबॉल स्टेडियम बना देगा। लेकिन इसी महीने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के फाइनल के दौरान हुई अव्यवस्थाओं ने मोरक्को की छवि को नुकसान पहुंचाया, जिससे विश्व कप फाइनल की मेजबानी की उसकी संभावनाएं कमजोर पड़ गईं।

रोहित शर्मा ने भारत की व्हाइट-बॉल क्रांति की अगुवाई करके टीम को नई पहचान दी : राहुल द्रविड़

बेंगलुरु ■ एजेंसी

पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि रोहित शर्मा ने भारत की व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया का नेतृत्व करके टीम को एक नई सोच व आक्रामक पहचान दी।

द्रविड़ ने यह बातें लेखक आर. कौशिक की पुस्तक 'द राइज ऑफ द हिटमैन' के विमोचन समारोह के दौरान कहीं, जिसका आयोजन केएससीए में जैन स्पोर्ट्स ने किया। द्रविड़ ने आगामी आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप को लेकर भारत को प्रबल दावेदार बताया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने टी-20 क्रिकेट में लगभग 80 प्रतिशत सफलता दर हासिल की है, जो इस फॉर्मेट में असाधारण है। भारत निश्चित रूप से पसंदीदा के तौर पर उतरेगा और सेमीफाइनल तक पहुंचेगा, लेकिन टी-20 में नतीजा उसी दिन बेहतर खेलने वाली टीम तय करती है।

रोहित शर्मा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए द्रविड़ ने कहा कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत को अपनी रणनीति बदलने की जरूरत थी। रन रेट बढ़ रहे थे, जोखिम लेना जरूरी हो गया

था और हमें खुद को ढालना था। रोहित ने यह जिम्मेदारी खुद ली। उन्होंने उदाहरण पेश किया कि टीम का कप्तान खुद आगे बढ़कर टेम्पो सेट करे, भले ही इससे व्यक्तिगत आंकड़ों पर असर पड़े। उन्होंने आगे कहा कि रोहित की नेतृत्व क्षमता की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि कप्तान बनने के बाद भी टीम को कभी नहीं लगा कि वह बदले हैं। यह गुण बहुत कम नेताओं में देखने को मिलता है।

कार्यक्रम में कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) अध्यक्ष और द्रविड़ के पूर्व साथी वेंकटेश प्रसाद वर्चुअल रूप से जुड़े। उन्होंने रोहित शर्मा को पद्म श्री से सम्मानित किए जाने को पूरी तरह योग्य बताया। प्रसाद ने कहा कि रोहित ने सभी फॉर्मेट में लंबा और शानदार करियर बनाया है। वह दो टी20 विश्व कप जीतने वाले इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। अंडर-19 दिनों को याद करते हुए प्रसाद ने कहा कि मैंने रोहित को 16-17 साल की उम्र से देखा है। तब भी उनके पास असाधारण समय और क्लास थी। उनकी प्रतिभा की तुलना भारत के किसी भी महान बल्लेबाज से की जा सकती है। समारोह में रोहित शर्मा के योगदान, नेतृत्व और भारतीय क्रिकेट पर उनके प्रभाव को लेकर गहन चर्चा हुई, जिसने एक बार फिर 'हिटमैन' की विरासत को रेखांकित किया।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

अडाणी समूह और एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र करेंगे स्थापित

नई दिल्ली। अडाणी समूह और ब्राजील की विमानन कंपनी एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण इकाई स्थापित करेंगे। रणनीतिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के बाद इस साझेदारी का ऐलान मंगलवार को नई दिल्ली में किया गया। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और एम्ब्रेयर के अधिकारियों ने नागर विमानन मंत्रालय में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री के. राममोहन नायडू की मौजूदगी में एमओयू हुआ। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां देश में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक 'फाइनल असेंबली लाइन' (एफएएल) भी स्थापित करेंगी। हालांकि, निवेश और प्रस्तावित सुविधा के स्थान से जुड़े विवरण साझा नहीं किए गए हैं। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इस अवसर पर कहा कि एम्ब्रेयर और अडाणी ऑनलाइन के बीच ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) भारत के क्षेत्रीय परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए एक रणनीतिक सहयोग की शुरुआत है। नायडू ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के उड़ान विजन से प्रेरित यह साझेदारी क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी के लिए एंड-टू-एंड स्वदेशी समाधान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नए शिखर पर सोना और चांदी, 1.62 लाख तक पहुंची सोने की कीमत

मुंबई। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी ने एक बार फिर नए शिखर पर पहुंचने में सफलता हासिल की है। सोना आज 1,570 रु. प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,710 रु. प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी ने 25,200 रुपये प्रति किलोग्राम की जोरदार छलांग लगाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी 113.46 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया है, जिसका प्रत्यक्ष असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी चांदी की कीमत पर पड़ा है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,960 रु. से लेकर 1,62,110 रु. प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,460 रु. से लेकर 1,48,610 रु. प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी जबरदस्त तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,60,100 रु. प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,110 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,610 रु. प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,960 रु. प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,460 रु. प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,010 रु. प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,510 रु. प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

भारत-ईयू एफटीए से भारत को 99 फीसदी से ज्यादा निर्यात के लिए रियायती यूरोपीय संघ बाजार पहुंच मिलेगी: गोयल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत को यूरोपीय संघ (ईयू) बाजार में मूल्य के हिसाब से अपने 99 फीसदी से ज्यादा निर्यात के लिए रियायती शुल्क पर बाजार पहुंच मिलेगी। इससे घरेलू श्रम प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। दोनों पक्षों ने आज नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता पूरी होने की घोषणा की।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के नेतृत्व में भारत और यूरोपीय संघ ने सबसे बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।' गोयल ने कहा कि 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन को इतिहास में उस घटना के तौर पर याद किया जाएगा, जहां दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने मिलकर वैश्विक व्यापार में नया अध्याय लिखा।

गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ ने एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए, जो हमारे आर्थिक जुड़ाव में मील का पत्थर है। यह समझौता सभी सेक्टरों में अवसर खोलेगा, व्यवसायों और लोगों को फायदा पहुंचाएगा और दोनों तरफ विकास और समृद्धि में योगदान देगा। केंद्रीय मंत्री ने

बजट की तैयारी अंतिम चरण में, सीतारमण ने पारंपरिक हलवा सेरेमनी में हिस्सा लिया

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को यहां पारंपरिक हलवा समारोह में भाग लिया। ये समारोह 1 फरवरी को लोकसभा में पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट की तैयारी के अंतिम चरण का प्रतीक है। वित्त मंत्री ने बजट प्रेस का दौरा भी किया और तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने पूरी बजट टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। हलवा सेरेमनी का ये समारोह रायसीना हिल्स स्थित नॉर्थ ब्लॉक में आयोजित किया गया, जो वित्त मंत्रालय का पुराना पता है। वित्त मंत्री और उनकी टीम के अधिकतर सदस्य सितंबर, 2025 में प्रतिष्ठित और भव्य नॉर्थ ब्लॉक से कर्तव्य भवन स्थित आधुनिक केंद्रीय सचिवालय कार्यालय में स्थानांतरित हो गए थे। कर्तव्य भवन-1 स्थित नए परिसर में छापाखाना नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले सभी विभागों के सचिव और केंद्रीय बजट तैयारी में शामिल अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। पिछले पांच पूर्ण केंद्रीय बजट और एक अंतरिम बजट की तरह 2026-27 का पूर्ण केंद्रीय बजट भी कागज रहित यानी डिजिटल रूप में होगा। वार्षिक वित्तीय विवरण, अनुदान मांगें, वित्त विधेयक आदि सहित केंद्रीय बजट के सभी दस्तावेज 'केंद्रीय बजट मोबाइल ऐप' पर उपलब्ध होंगे। हलवा सेरेमनी बजट की छपाई से पहले आयोजित होने वाला सालाना समारोह है, जिसमें पारंपरिक 'हलवा' तैयार किया जाता है। वित्त मंत्रालय के उन अधिकारियों और कर्मचारियों को परोसा जाता है, जो बजट तैयार करने के काम में शामिल होते हैं।

कहा कि यह समझौता देश की वैश्विक व्यापार भागीदारी में रणनीतिक उपलब्धि है, जिससे 1.4 अरब लोगों के लिए 20 हजार अरब डॉलर के यूरोपीय संघ बाजार में विशाल अवसर खुलेंगे।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा, 'यह ऐसा समझौता है जो हमारे निर्यात के 99 फीसदी से अधिक हिस्से को अभूतपूर्व बाजार पहुंच देता है, इससे हमारे श्रम प्रधान क्षेत्रों को जबरदस्त प्रोत्साहन मिलेगा और 'मेक इन इंडिया' को मजबूती मिलेगी।' उन्होंने बताया कि यह साझेदारी दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुई है, जो वैश्विक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है।

गोयल ने कहा कि इससे भारतीय व्यवसायों के लिए बड़े व्यापार और निवेश अवसर पैदा होंगे और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), महिलाएं, युवा, कारीगर, श्रमिक, छात्र, कुशल पेशेवर, मछुआरे, किसान और निर्यातकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, 'संवेदनशील क्षेत्रों को बचाने के लिए सावधानी बरतने के साथ, उच्च मूल्य वाले यूरोपीय संघ के बाजार में बड़े पैमाने पर संभावनाएं खोलते हुए ग्रामीण आजीविका भी सुरक्षित की गई है।'

वाणिज्य मंत्री ने कहा, 'भविष्य के लिए तैयार गतिशीलता ढांचे के साथ सेवा क्षेत्र में एक बड़ी जीत हासिल की गई है जो हमारे कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करने में मदद करेगी।'

गोयल ने कहा कि यह समझौता भविष्य का द्वार है क्योंकि इससे भारत उच्च-मूल्य वाली नौकरियां पैदा कर सकेगा, नवाचार को गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिभा व सतत आर्थिक वृद्धि के लिए एक प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

विदेशी घुसपैठ राष्ट्र के लिए चुनौती है: त्रिपाठी

भोपाल। बौद्धिक संवाद समूह की मासिक व्याख्यानमाला के अंतर्गत पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी का व्याख्यान विषय पर भारतीय विद्या भवन सभागृह में आयोजित किया गया जिसमे उन्होंने कहा कि विदेशियों की घुसपैठ और उनके संरक्षण देश के लिए गंभीर समस्या है ओर अब देश के लिए चुनौती बन गई है इसमें राजनैतिक संरक्षण ने इसे ओर संकटग्रस्त बना दिया है पड़ोसी देशों की दयनीय अर्थव्यवस्था से घुसपैठ बढ़ती गई उन्होने आंकड़े देकर इसके गंभीर परिणामों पर चिंता प्रगट की उन्होंने यह भी कहा पश्चिम बंगाल ओर असम के कुछ जिलों में डेमोग्राफी बदल गई है जो धार्मिक चुनौती है ओर बढ़ता आतंकवाद चिंतनीय समस्या है एक लीगल फ्रेमवर्क की आवश्यकता है जिससे नागरिकता का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। त्रिपाठी जी ने श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए ओर इस समस्या के समाधान में सीमा पर घुसपैठ गंभीरता से रोकना सेना की संख्या बढ़ाना ही विकल्प है । कार्यक्रम का संचालन आर जी द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश मानवाधिकार के कार्यवाहक अध्यक्ष एपी सिंग पूर्व संचालन विभाग के डायरेक्टर जनरल डॉ महेश शुक्ला पूर्व डीजीपी एस के राउत वरिष्ठ अधिवक्ता जी के छिब्बर ब्रिगेडियर संजय घोष डॉ आर एस पांडे सुनील जोशो सलिल चटर्जी कर्नल बी बी वत्स शैलेंद्र ओझा आदि उपस्थित थे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में खरीदारी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 300 अंक उछलने में सफल रहा। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,950.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

'बीबीटी मीट' में जुटे 175 एलुमनी स्टूडेंट्स

भोपाल ■ प्रतिनिधि

भोपाल के प्रतिष्ठित सेंट जोसेफ कॉन्वेंट गर्ल्स स्कूल की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर एसेज़ एसोसिएशन ऑफ कॉन्वेंट एक्स-स्टूडेंट्स द्वारा 'बीबीटी - ब्रिंगिंग बैक टुगेदर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1963 बैच से लेकर 2011 बैच तक के 175 पूर्व छात्र एक साथ जुड़े, जिससे यह आयोजन भावनात्मक और यादगार बन गया।

कार्यक्रम का आयोजन भदभदा स्थित एक होटल में किया गया। इस मिलन में 1979 बैच के छात्रों ने कोरोना काल और अन्य कारणों से दिवंगत साथियों को म्यूजिकल ट्रिब्यूट देकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं डांस, म्यूज़िक और गेम्स जैसी गतिविधियों के माध्यम से आयोजन में शामिल एलुमनी ने शाम को खास बना दिया।

एसेज़ एसोसिएशन की संस्थापक सदस्य रीता ललवानी ने बताया कि यह आयोजन लंबे अंतराल के बाद सभी पूर्व छात्रों को फिर से जोड़ने की एक पहल है। उन्होंने कहा कि वर्षों से बिछड़े साथियों का एक मंच पर आना अपने-आप में भावनात्मक अनुभव रहा।

वहीं रेणु हांडा एवं उनकी टीम ने आयोजन की समन्वयात्मक व्यवस्था और सहभागिता के माध्यम से कार्यक्रम को सुचारु और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संचालन में रचना पारेख की सक्रिय भूमिका रही। रुबीना ताजवर ने कार्यक्रम को सफल बनाने में और डेकोरेशन में अहम भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में यह भी साझा किया गया कि स्कूल की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर यह मिलन एक मजबूत आधारशिला है। आगे आने वाले समय में एसेज़ एसोसिएशन के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और सहभागिता आधारित कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसमें देश-विदेश में रह रहे पूर्व छात्र सक्रिय रूप से शामिल होंगे।

आयोजन में गेट-टुगेदर में भोपाल सहित देश के विभिन्न शहरों के साथ-साथ दुबई और ऑस्ट्रेलिया से भी सहभागिता रही। फरजाना मिर्जा सबसे सीनियर जोसेफाइट 63 बैच की यूएसए से आई ।सभी ने इस मिलन को यादगार बताते हुए भविष्य में और अधिक व्यापक आयोजनों की उम्मीद जताई।

देश की सुरक्षा में सतर्कता एवं जनभागीदारी जरूरी : खान

भोपाल ■ प्रतिनिधि

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल द्वारा आयोजित मासिक व्याख्यानमाला में देश की सुरक्षा में जनभागीदारी विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके सेवानिवृत खुफिया अधिकारी मुहम्मद जफर खान ने कहा कि देश की सुरक्षा एजेंसी सतर्कता ओर गंभीरता को कार्य कर रही है भारत एक बड़ा देश है इसकी आंतरिक सुरक्षा के लिए जनता को भी सतर्क रहना है ओर राष्ट्र की सुरक्षा में जनभागीदारी भी करना है आज के तकनीकी युग में इंटरनेट मोबाइल का प्रयोग सतर्कता से करना चाहिए देश की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है जनता को जागरूक होना जरूरी है जहां भी कुछ शंका ही कुछ आउट पुट

मिलता हो तुरंत सूचना संबंधित सुरक्षा एजेंसी को देना चाहिए जरा सी चूक में बहुत नुकसान हो जाता है उन्होंने अनेक घटनाओं का उल्लेख करते हुवे यह दर्शाया कि देश की सुरक्षा में इंटेलिजेंस ऑफिसर की भूमिका बहुत जोखिम भरी होती है यह संयम ओर साहस का कार्य है ।

मोहम्मद जफर खान ने श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ईस्ट के सदस्य एवं पूर्व मंडलाध्यक्ष धीरन दत्ता को रोटरी इंटरनेशनल के सर्वोत्तम सेवा पुरस्कार मिलने पर उन्हें सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन मानद सचिव ऋतु राज परमार ने किया ओर आभार प्रदर्शन पलाश सुरजन ने किया।

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर ने आठ विदेशी मेडिकल कालेजों को मान्यता प्रदान की, इनमें भारत का मणिपाल भी

सिंगापुर। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय और सिंगापुर मेडिकल काउंसिल ने आज आठ विदेशी मेडिकल कालेजों को मान्यता प्रदान करने की घोषणा की। इनमें भारत के मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन से संबद्ध कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज मणिपाल भी है। मंत्रालय और काउंसिल की मंगलवार को जारी संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय और सिंगापुर मेडिकल काउंसिल ने कहा कि आगामी 01 फरवरी से देश से बाहर के आठ मेडिकल कालेजों (1) ऑस्ट्रेलिया एडिलेड यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ हेल्थ, (2)भारत के मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल, (3) आयरलैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ गॉलवे, स्कूल ऑफ मेडिसिन, (4) मलेशिया यूनिवर्सिटी साइंस मलेशिया, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज, (5) पाकिस्तान द आगा खान यूनिवर्सिटी मेडिकल कॉलेज, (6) पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, (7) सिंघुआ यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ मेडिसिन और (8) सिटी सेंट जॉर्ज, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, स्कूल ऑफ को मान्यता प्रदान कर दी जाएगी।

आरबीआई नेपाली नागरिकों के लिए डिजिटल भुगतान सुविधा को जल्द शुरू करने पर सहमत

काठमांडू। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नेपाली नागरिकों के लिए भारत में क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान को जल्द शुरू करने पर सहमति जताई है। इस संबंध में नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर डॉ. विश्वनाथ पौडेल और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के बीच सोमवार को दिल्ली में हुई बैठक में विस्तृत चर्चा हुई। नेपाल राष्ट्र बैंक के अनुसार, बैठक में अंतरदेशीय इलेक्ट्रॉनिक भुगतान लेनदेन तथा दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े विषयों पर बातचीत हुई। दोनों गवर्नरों के बीच विशेष रूप से इस बात पर चर्चा केंद्रित रही कि भारत यात्रा के दौरान नेपाली नागरिक क्यूआर कोड के जरिए आसानी से भुगतान कर सकें। इसके अलावा मौद्रिक नीति, तरलता प्रबंधन, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुपरविजन तथा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आरबीआई द्वारा अपनाई गई अच्छी नीतिगत प्रथाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। नेपाल राष्ट्र बैंक ने बताया कि वित्तीय क्षेत्र से जुड़े उभरते और समसामयिक मुद्दों पर भी दोनों पक्षों के बीच सहयोग और अनुभवों के आदान-प्रदान पर सहमति बनी।

डाक विभाग का एसएसएल से समझौता, डाकघरों से मिलेगी पूंजी बाजार सेवाओं की सुविधा

नई दिल्ली। डाक विभाग ने स्टॉक होल्डिंग सर्विसेज लिमिटेड (एसएसएल) के साथ पूंजी बाजार सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए समझौता किया है। इस समझौते के तहत आम लोगों को अब डाकघरों और डिजिटल माध्यमों से डिमैट और ट्रेडिंग खाता खोलने, म्यूचुअल फंड में निवेश करने, आईपीओ में भाग लेने और अन्य निवेश विकल्पों का लाभ उठाने जैसी तमाम सहूलियतें मिलेंगी। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता मंगलवार को नई दिल्ली स्थित डाक भवन में हुआ। इस साझेदारी का एक अहम हिस्सा वित्तीय जागरूकता और निवेशक शिक्षा है। एसएसएल निवेशक शिक्षा और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम चलाएगा, जिसमें डाक विभाग भी सहयोग करेगा। खासकर ग्रामीण और छोटे शहरों के नए निवेशकों को समझाने पर जोर रहेगा। डाक सचिव वंदिता कौल ने कहा कि यह सहयोग वित्तीय समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और विकसित भारत 2047 की सोच से जुड़ा है। डाक विभाग का डिजिटल नेटवर्क अब लोगों को सुरक्षित तरीके से पूंजी बाज़ार में भागीदारी करने में मदद करेगा। एसएसएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभात कुमार दुबे ने कहा कि उन्हें डाक विभाग के साथ जुड़कर खुशी है।

वीबीजी रामजी को समाप्त करने के लिए निरंतर संघर्षद्भः सीएम

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया है कि जब तक केंद्र सरकार वीबीजी रामजी (विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण) अधिनियम को निरस्त कर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को पुन: बहाल नहीं करती, तब तक यह संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित 'मनरेगा बचाओ संग्राम' एवं 'राजभवन चलो' विशाल विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा के माध्यम से गरीबों को प्राप्त संवैधानिक रोजगार के अधिकार को छीन लिया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना के तहत महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति, दिव्यांगों सहित ग्रामीण गरीबों को प्रति वर्ष 100 दिनों के रोजगार की गारंटी प्राप्त थी। किंतु नए कानून के माध्यम से ग्रामसभा और पंचायतों के अधिकारों को समाप्त कर, गरीबों के रोजगार संबंधी निर्णय दिल्ली में लिए जाने की व्यवस्था लागू कर दी गई है।

अमेरिका में भीषण शीतकालीन तूफान का कहर, 15 लोगों की मौत

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के बड़े हिस्से में सप्ताहांत के दौरान आए शक्तिशाली शीतकालीन तूफान ने भारी तबाही मचाई है। बर्फबारी, बर्फीली हवाओं और रिकॉर्ड तोड़ ठंड के चलते अब तक कम से कम 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि देश के कई राज्यों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

टेक्सास के फ्रिस्को में स्लेजिंग दुर्घटना में 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, वहीं ऑस्टिन क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध हाइपोथर्मिया से मौत पाई गई। लुइसियाना में दो लोगों की जान गई है। अर्कांसस में 17 वर्षीय लड़के की स्लेजिंग हादसे में मौत हुई, जबकि नॉर्थ कैरोलिना में एक व्यक्ति का शव हाईवे पर मिला।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने बताया कि शहर में सप्ताहांत के दौरान पांच लोग

खुले में मृत पाए गए। कंसास में एक महिला की ठंड से मौत हुई, जो बर्फ से ढकी मिली। मैसाचुसेट्स में स्नो प्लाउ की चपेट में आने से एक महिला की जान गई, जबकि टेनेसी में मौसम से जुड़ी तीन मौतें दर्ज की गई।

नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) के अनुसार, टेक्सास से लेकर न्यू इंग्लैंड तक करीब 20 करोड़ लोग कोल्ड अलर्ट के तहत हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में अमेरिका के पूर्वी दो-तिहाई हिस्से में 'कड़ाके की ठंड, शून्य से नीचे तापमान और रिकॉर्ड ठंड' देखने को मिल सकती है, जो फरवरी की शुरुआत तक जारी रह सकती है।

तूफान के चलते देशभर में 08 लाख से अधिक लोग बिना बिजली के हैं, जिनमें टेनेसी, मिसिसिपी और लुइसियाना सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। वहीं, हवाई यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बीते दिन 10,500 से अधिक उड़ानें रद्द की गई, जबकि सोमवार को करीब 4,000 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

बर्फबारी के आंकड़ों पर नजर डालें तो मैसाचुसेट्स में कुछ इलाकों में 20 इंच तक बर्फ जमी, जबकि पेंसिल्वेनिया में 23 इंच तक बर्फबारी दर्ज की गई। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि मध्य और पूर्वी अमेरिका के अधिकांश हिस्सों में अब बर्फबारी थम चुकी है, लेकिन ठंड का असर अभी लंबे समय तक बना रह सकता है।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा ने कहा

यूरोपीय संघ व भारत रणनीतिक और भरोसेमंद साझेदार के रूप में एक साथ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा ने मंगलवार को भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता के सम्पन्न होने को दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक व्यवस्था मौलिक रूप से बदल रही है, यूरोपीय संघ और भारत रणनीतिक और भरोसेमंद साझेदार के रूप में एक साथ खड़े हैं।

भारत और ईयू के बीच हैदराबाद हाउस में आयोजित 16वीं शिखर वार्ता में आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की और साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी के साथ साझा प्रेस वक्तव्य में कोस्टा ने कहा कि व्यापार एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक स्थिरता लाने वाला कारक है और आर्थिक विकास का मूलभूत स्रोत है। व्यापार समझौते नियम-आधारित आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं और साझा समृद्धि को बढ़ावा देते हैं। आज के मुक्त व्यापार समझौता का ऐतिहासिक महत्व है। यह अब तक हुए सबसे महत्वाकांक्षी समझौतों में से एक है। यह 2 अरब लोगों का एक बाज़ार बनाता है। कोस्टा कहते हैं, 'आज एक ऐतिहासिक पल है। हम व्यापार, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों में अपने रिश्तों

में एक नया अध्याय खोल रहे हैं।'

उन्होंने व्यापक रक्षा और सुरक्षा ढांचे को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि दोनों पक्ष सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करेंगे। अपने नागरिकों और हमारे साझा हितों की बेहतर सुरक्षा के लिए अपने सहयोग को मजबूत करेंगे।

उन्होंने कहा, 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और बहुपक्षवाद के समर्थक के रूप में यूरोपीय संघ और भारत, संयुक्त राष्ट्र चार्टर को केंद्र में रखकर अंतरराष्ट्रीय कानून को बनाए रखने की जिम्मेदारी साझा करते हैं। आज सुबह, मुझे और राष्ट्रपति उर्सुला को महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने का अवसर मिला। मैंने उनके शब्दों पर विचार किया, जो आज भी सच हैं। वे कहते थे, शांति हथियारों की लड़ाई से नहीं बल्कि मुश्किल हालात में निहत्थे देशों द्वारा अपनाए गए और किए गए न्याय से आएगी।' अपने वक्तव्य से पूर्व अध्यक्ष कोस्टा ने प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्ड दिखाया और इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि वे विदेश में रहे भारतीय नागरिक हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे गोवा में अपनी जड़ों पर बहुत गर्व है, जहां से मेरे पिता का परिवार आया था और यूरोप और भारत के बीच का संबंध मेरे लिए कुछ पर्सनल है।' उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य के दौरान उनकी सादगी की प्रशंसा की थी।

साथ मिलकर वैश्विक मुद्दों पर नेतृत्व दिखाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हम एक न्यायपूर्ण और स्थायी शांति हासिल करने के सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं। इस संबंध में उन्होंने यूक्रेन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन में हमने यूक्रेन में एक व्यापक, न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में प्रयासों का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह यूक्रेन की स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का पूरी तरह से सम्मान करती है। यूक्रेन ने मुश्किल समझौते की कीमत पर भी अपनी तैयारी दिखाई है। हम बातचीत और कूटनीति के ज़रिए शांति के लिए हालात बनाने में मदद पर भरोसा कर सकते हैं।

उत्तरायण के साथ जुड़ा दोस्ती में एक नया अध्याय: उर्सुला

दूसरी ओर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत-ईयू साझेदारी को मकर सक्रांति पर्व से जुड़ा और कहा कि उत्तरायण के साथ ही अब नई गति के साथ दोस्ती में एक नया अध्याय जोड़ने का सही समय है। यह हमें अंधेरे से रोशनी की ओर, ठहराव से विकास की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते से दोनों पक्ष अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मज़बूत बनाने के साथ तेज़ी से असुरक्षित होती दुनिया में अपने लोगों को सुरक्षा दे रहे हैं। आज दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और लोकतंत्रों ने अपनी पहली सुरक्षा और रक्षा साझेदारी शुरू की है। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि व्यापार समझौता दोनों पक्षों की सप्लाई चेन को जोड़ेगा और संयुक्त उत्पादन क्षमता को मज़बूत करेगा। इससे सभी आकार के एक्सपोर्टर्स के लिए सालाना चार अरब यूरो तक का टैरिफ कम होगा और भारत और यूरोप में लाखों वर्कर्स के लिए अच्छी नौकरियाँ पैदा होंगी। साथ ही, यह समझौता हमारी अर्थव्यवस्थाओं की स्वाभाविक पूरकता पर आधारित होगा। जनता को सबसे बड़ी संपत्ति बताते हुए उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि 'दोनों देशों के बीच हम मोबिलिटी एग्रीमेंट साइन कर रहे हैं।

शंकराचार्य के मुद्दे पर योगी के समर्थन में जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर का त्यागपत्र

अयोध्या ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थन में अयोध्या के जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने नौकरी से अपना त्यागपत्र राज्यपाल के पास भेज दिया है। उन्होंने दो पन्ने के त्यागपत्र में इसकी वजह भी बताई है।

शंकराचार्य से विवाद के बाद अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में उत्तर प्रदेश के बरेली सिटी मजिस्ट्रेट पद से अलंकार अग्निहोत्री के त्यागपत्र का मामला अभी शांत नहीं हुआ। अब अयोध्या से एक अन्य अधिकारी ने मुख्यमंत्री योगी के समर्थन में त्यागपत्र देने की खबर आ गई। अयोध्या के जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार ने अपना त्यागपत्र राज्यपाल को भेज दिया है।

राज्यपाल को त्यागपत्र भेजने के बाद मंगलवार को जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार ने पत्रकारों से कहा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी के समर्थन में अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। प्रशांत कुमार ने कहा कि शंकराचार्य ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी पर अभद्र टिप्पणी करके उनका अपमान किया है।

मैं इसी प्रदेश का नमक खाता हूं और प्रदेश से ही मुझे वेतन मिलता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी लोकतांत्रिक तरीके से चुने हुए मुख्यमंत्री हैं, इस तरह से मैं उनका अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस घटना के बाद पिछले तीन दिन से मैं आहत था, इसलिए त्यागपत्र दिया है।

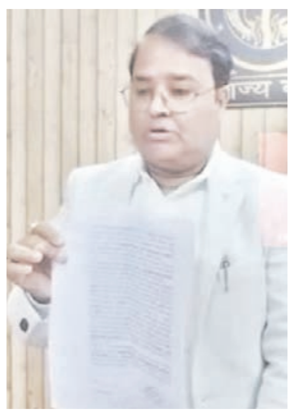

उन्होंने कहा कि जब मेरा त्यागपत्र मंजूर हो जाएगा तो मैं अपने संसाधनों से सामाजिक कार्य में लग जाऊंगा।

पत्नी को फोन कर हुए भावुक जीएसटी कमिश्नरअपने पद से त्यागपत्र देने वाले जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने अपनी पत्नी को फोन कर अपनी नौकरी से त्यागपत्र दिए जाने की जानकारी दी। बातचीत के दौरान वे फोन पर भावुक हो गए। उन्होंने रोते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी के समर्थन में मैंने त्यागपत्र दिया है।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले 26 जनवरी के दिन बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने अपना त्यागपत्र दिया था। उन्होंने इसके लिए शंकराचार्य के अपमान, बटुकों की चोटी उखाड़ने की कोशिश और मारने पीटने की घटना को कारण बताया। उन्होंने यूजीसी बिल के विरोध की भी बात कही है। इसके बाद इस्तीफा स्वीकार होने से पहले उन्हें नौकरी से निलंबित करने के विरोध में बरेली में कलेक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठे हैं।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता एक ऐतिहासिक कदम: भाजपा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का स्वागत करते हुए इसे देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को एक्स पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता सही मायनों में 'मदर ऑफ ऑल डील्स' है।

इस समझौते से भारत में मैन्युफैक्चरिंग को मजबूती मिलेगी, सेवाओं का विस्तार होगा और भारतीय कंपनियों को यूरोप के बाजारों तक आसान पहुंच मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे निवेश बढ़ेगा, रोजगार के नए अवसर बनेंगे और भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

दुनिया की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुआ यह समझौता भारत-ईयू रिश्तों को नई ऊंचाई देगा और विकसित भारत के लक्ष्य को और

तेज़ी से आगे बढ़ाएगा।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

राजेश अग्रवाल ने समझौते को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इससे 200 करोड़ लोग व्यापार कर पाएंगे। इसका व्यापक प्रभाव दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। समझौते से भारत में एमएसएमई, ऊर्जा क्षेत्र, पेट्रो-गैस, समुद्र मंथन, रक्षा क्षेत्र तथा निर्माणक्षेत्र, प्रत्येक सेक्टर में वैश्विक उन्नति में बहुत मदद मिलेगी। वस्त्र, उद्योग, आभूषण, चमड़ा उद्योग तथा खाद्य निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। शीघ्र ही व्यापार और उद्योगों के दरवाजे भारत के लिए लगभग 50 से अधिक देशों में खुलेंगे अर्थात भारत में संपन्नता बढ़ेगी।

कार्यालय जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम (म०प्र०)!!

क्रमांक— / निर्वाह / 2026 / नर्मदापुरम दिनांक— / 01 / 2026

ई—टेण्डरिंग निविदा वित्तीय वर्ष 2026—27

Email_ hbdjail40 / gmail.com

दूरभाष क्रमांक 07574—252428

ई—निविदा सूचना (प्रथम आमंत्रण) म0प्र0 जेल आपूर्ति नियम 1968 एवं म0प्र0 भण्डार कय नियम फार्म (अ) नियम—6 के अंतर्गत

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम सर्किल के अंतर्गत आने वाली जेलों— जिला जेल बैतूल, जिला जेल हरदा, सब जेल मुलताई, पिपरिया, बरेली, गौहरगंज, नसरूल्लागंज, सिवनी मालवा के आउटर वॉल में नवीन हाई सिक्योरिटी इलेक्ट्रिक फैंसिंग सिस्टम स्थापित करने हेतु प्रथम वार्षिक ई—निविदा ऑनलाईन बेवसाइट https://mptenders.gov.in पर दिनांक **14.02.2026 को सांय 05:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण सम्बन्धित जेल की बेवसाइट पर जाकर निविदा की सूचना प्राप्त कर सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य शर्तो से संबंधित जानकारी उक्त बेवसाइट पर ही देखी जा सकती है।

जी 24936/25

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम

कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा

Office Email ID eeresharda@mp.gov.in, Office Phone No. 07577 - 222519

क्र. 71 / व.ले.लि / ग्रा.यां.से. / 2025—26 हरदा दिनांक 07/01/2026

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क. 21 / 2025—26

संभाग अंतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाइन निविदाये आमंत्रित की गई है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

ऑनलाईन दो कवर पद्धति –

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (रूपये में)
1	2	3	4
1.	2026_RES_ 474169	एकीकृत माध्यमिक शाला सांवरी में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य।	726317/-
योग			726317/-

उक्त निविदा को ऑनलाईन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट **https://mptenders.gov.in**के माध्यम से क्रय किये जा सकते है। निविदा प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक दिनांक **21.01.2026** को समय **14.00** बजे तथा निविदा प्रपत्र ऑन लाईन प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक **03.02.2026** समय **17:30** बजे तक निर्धारित है। निविदा में होने वाले संशोधन एवं विस्तृत निविदा उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है, इसके अतिरिक्त निविदा में होने वाले समस्त संशोधनों का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही किया जायेगा।

जी 24947/25

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग हरदा

बर्फ की चादर से ढंका जम्मू-कश्मीर

बर्फबारी के कारण सड़क, रेल और हवाई यातायात बाधित

श्रीनगर ■ एजेंसी

कश्मीर में मंगलवार को ताजा बर्फबारी हुई है, जिसके चलते श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग बंद कर दिया गया और हवाई सेवाएं भी बाधित हुईं। इस बर्फबारी के कारण घाटी पूरी तरह से बर्फ से ढक गई। मौसम विभाग ने मंगलवार शाम तक अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना जताई है, जबकि कुछ स्थानों पर गरज या तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश या बर्फबारी होने की भी संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में रात भर

ताजा बर्फबारी हुई। श्रीनगर समेत घाटी के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि ऊंचे इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी हुई। बर्फबारी ने सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटक स्थलों को शीतकालीन सौंदर्य के स्वर्ग में बदल दिया। मध्य, उत्तरी और दक्षिणी कश्मीर के जिलों में बर्फबारी हुई है। हालांकि, बर्फबारी के कारण सड़क, रेल और हवाई यातायात बाधित हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि काजीगुंड और बनिहाल के बीच बर्फ जमा होने के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बर्फ हटाने का काम जारी रहने के बावजूद राजमार्ग पर किसी भी वाहन को चलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं क्योंकि पटरियों पर बर्फ जमा होने के कारण बनिहाल और बडगाम के बीच कुछ ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। कश्मीर घाटी से आने-जाने वाली हवाई सेवाएं भी बाधित हुई हैं, क्योंकि श्रीनगर हवाई अड्डे पर रनवे पर बर्फ जमा होने के कारण उड़ानें संचालित नहीं हो सकीं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि अब तक लगभग 50 उड़ानें (25 आने वाली और 25 जाने वाली) रद्द की जा चुकी हैं। खराब मौसम और श्रीनगर हवाई अड्डे पर मौजूदा स्थिति के कारण आज श्रीनगर से आने-जाने वाली इंडिगो और एयर इंडिया की सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे नवीनतम जानकारी और वैकल्पिक व्यवस्थाओं के लिए अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करें।

दो सिंचाई परियोजनाएं मंजूर होने पर सोहागपुर वासियों ने किया मुख्यमंत्री का आत्मीय अभिनंदन

किसान कल्याण वर्ष में हर खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने का है संकल्प : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ विसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में लगातार बड़ी सौगातें मिल रही हैं। पिछले 11 वर्षों के कालखंड में संपूर्ण देश के साथ हमारा प्रदेश भी बदल रहा है। राज्य सरकार ने वर्ष-2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है। पूरे साल में अनेक किसान हितैषी निर्णय लिए जाएंगे। प्रदेश सरकार ने हर खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बुंदेलखंड से केन-बेतवा नदी जोड़ो अभियान की शुरुआत की है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के कई जिलों के किसानों के खेतों में फसलें लहलहाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्रगति में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मंगलवार को हुई

मंत्रि-परिषद् की बैठक में नर्मदापुरम जिले में 2 सिंचाई परियोजनाओं के लिए 215 करोड़ 47 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। इससे सोहागपुर और पिपरिया क्षेत्र के किसानों एवं स्थानीय जनजातीय भाई-बहनों को अनुपम सौगात मिली है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार की शाम मुख्यमंत्री निवास में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने क्षेत्रवासियों को मिली सौगातों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार माना। सोहागपुर से आए पार्टी पदाधिकारी, स्थानीयजन एवं विस्थापित जनजातीय परिवारों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय अभिनंदन किया।

विरासत भी और विकास भी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का वार्षिक बजट अब 4 लाख 21 हजार करोड़ रुपए हो चुका है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने के लिए हमारी सरकार संकल्पित है और इसके सुखद परिणाम अब जमीन पर नजर आने लगे हैं। नर्मदापुरम जिले में बाबई-मोहासा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। इससे निकट भविष्य में सोहागपुर-पिपरिया और आसपास के क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार विरासत के संरक्षण के साथ विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश के गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए जनहितैषी निर्णय लिए गए हैं।

सोहागपुर विधानसभा के 63 गांवों को मिलेगा पर्याप्त जल

विधायक श्री विजयपाल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का कोना-कोना सिंचाई सुविधा से लैस हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता से किया अपना वादा निभाया और आज कैबिनेट ने क्षेत्रवासियों के कल्याण के लिए लगभग 226 करोड़ रुपए लागत की दो महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। उन्होंने कहा कि तवा परियोजना (दायीं तट नहर) की बागरा शाखा नहर होज सिंचाई परियोजना से बाबई एवं सोहागपुर तहसील के 33 गांवों की 4200 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी। वहीं, तवा परियोजना की दांयी तट नहर से पिपरिया ब्रांच केनाल होज सिंचाई परियोजना से 6000 हैक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। परियोजना से सोहागपुर तहसील के 30 ग्राम लाभान्वित होंगे। दोनों परियोजनाओं से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के आसपास रहने वाला जनजातीय समुदाय सर्वाधिक लाभान्वित होगा और उन्हें स्वच्छ पेयजल के साथ सिंचाई की सुविधा भी मिलेगी।

ललिता आश्रम में प्रहलाद और जड़ भरत चरित्र की व्याख्या, आज भव्य रूप में मनाया जाएगा कृष्ण जन्मोत्सव

भक्ति की पराकाष्ठा: 'संस्कारों की नींव बचपन में ही रखनी चाहिए' - स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस पर आज स्वामी श्री विश्वेश्वरानंद गिरी जी महाराज ने ज्ञान और वैराग्य की अमृत वर्षा की। महाराज जी ने श्रीमद् भागवत के गूढ़ सूत्रों को समझाते हुए कहा कि मानव जीवन की सार्थकता भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण में है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि भक्ति के लिए बुढ़ापे का इंतजार करना सबसे बड़ी भूल है; संस्कार और साधना का सूत्र तो बाल्यकाल में ही हृदय में स्थापित हो जाना चाहिए।

चरित्र व्याख्या: प्रहलाद की निष्ठा और जड़ भरत का वैराग्य। कथा के दौरान महाराज जी ने दो महान चरित्रों के माध्यम से भक्ति के अलग-अलग आयामों को विस्तार से समझाया।

भक्त प्रहलाद चरित्र: महाराज जी ने बताया कि प्रहलाद का चरित्र हमें 'अटूट विश्वास' सिखाता है। असुर कुल में जन्म लेने के बाद भी प्रहलाद ने यह सिद्ध किया कि ईश्वर की भक्ति के लिए कुल या जाति नहीं, केवल 'भाव' महत्वपूर्ण है। उन्होंने बच्चों को संस्कारवान बनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि प्रहलाद की तरह विपरीत परिस्थितियों में भी धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।

जड़ भरत चरित्र: भरत जी के प्रसंग से महाराज जी ने समझाया कि कैसे एक हिरण के मोह ने उनके मोक्ष को रोक दिया था। यह कथा हमें सिखाती है कि संसार में रहते हुए भी मनुष्य को 'अनासक्त' रहना चाहिए। मन केवल गोविंद में लगा हो, तभी परम पद की प्राप्ति संभव है।

यजमान राकेश अग्रवाल जी ने किया पूजन

इस पावन अवसर पर मुख्य यजमान राकेश अग्रवाल ने व्यास पीठ की विधिवत पूजा-अर्चना की। राकेश अग्रवाल ने अत्यंत श्रद्धा भाव से महाराज जी का पुष्पहार पहनाकर अभिनंदन किया और आरती उतारकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस आयोजन में श्री राकेश अग्रवाल का समर का समर्पित भाव देखते ही बन रहा है, जिन्होंने इस धर्ममयी अनुष्ठान को सफल बनाने में मुख्य भूमिका निभाई है।

विधायक प्रतिनिधि ने फहराया तिरंगा, देशभक्ति का संदेश दिया

नर्मदापुरम। आइटीआइ माध्यमिक शाला में में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर को तिरंगे के रंगों से सजाया गया, जिससे वातावरण में देशभक्ति का संचार हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि अनिल मिश्रा ने तिरंगा फहराकर व राष्ट्रगान के साथ किया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किए। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि मिश्रा ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संविधान के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने अपने भाषण से छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया। राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर शाला के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थीगण व अभिभावक उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस ने अवैध विस्फोटक फैक्ट्री का किया भंडाफोड

20 लाख रुपये कीमत का भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक पदार्थ 2000 कि.ग्रा. जप्त

खंडवा ■ निसं

खण्डवा शहर में हो रही अवैध गतिविधियो पर अंकुश लगाने हेतु उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज कुमार राय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक राजेश रंघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) महेन्द्र तारणेकर, नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव कुमार बारंगे व प्रशिक्षु आईपीएस अमित कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण आर्य एवं टीम द्वारा विशेष मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया।

थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण आर्य थाना कोतवाली स्टाफ के साथ रात्रि गस्त में क्षेत्र भ्रमण पर थे। इसी दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सम्यक गोल्ड

कॉलोनी, सिहाड़ा रोड खण्डवा के एक सुनसान मकान (क्लब हाउस) में कुछ व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री एकत्र कर विस्फोटक पदार्थ बना रहे हैं तथा उसे पिकअप वाहन से परिवहन करने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया एवं उनके निर्देशानुसार टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। पुलिस को देखकर आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए, किंतु मौके से अवैध विस्फोटक पदार्थ से भरी एक बोलेरो पिकअप वाहन क्रमांक MP 12 ZJ 1627 तथा एक स्कूटी क्रमांक MP 12 MQ 6011 बरामद की गई।

देशभर के 8 लाख बैंक कर्मियों ने ठप किया कामकाज

नर्मदापुरम। देश के बैंकिंग इतिहास में एक बार फिर बड़े आंदोलन की गूंज सुनाई दी। अपनी लंबित मांगों को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (स्न्नक्क) के बैनर तले आज देशभर के लगभग 8 लाख बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक अवकाश लेकर राष्ट्रव्यापी हड़ताल की।

नपाध्यक्ष नीतू यादव ने नपा कार्यालय में किया झंडा वंदन किया

नर्मदापुरम। नगरपालिका में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा झंडा वंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, नपा के उपयंत्री एवं पार्षद सभापतिगण और नगरपालिका परिषद के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। नगरपालिका में झंडा वंदन करने के बाद नपाध्यक्ष श्रीमती यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकार श्रीमती पटले द्वारा जिला अस्पताल के सामने स्थित गांधी पार्क पहुंचकर महात्मा गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित की गई।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2026-2028 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।